राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 14, अंक 312 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये दुर्ग, सोमवार 22 सितम्बर 2025 www.samaydarshan.in

संक्षिप्त समाचार

उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का भाजपा नेता राकेश सिंह ने स्वागत किया

पटना। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी का नयागाँव डुमरी फोर लाइन पर भाजपा नेता राकेश सिंह के नेतृत्व में जोरदार स्वागत किया गया। सम्राट चौधरी अखंड ज्योति आंख अस्पताल मस्ती चक जा रहे थे, जब उनका काफिला नयागाँव डुमरी फोर लाइन पर रुका। इस अवसर पर सैकड़ों कार्यकर्ता और नेता उपस्थित थे, जिनमें बिहार सरकार मंत्री मंटू सिंह, जिलाध्यक्ष रंजीत सिंह और महामंत्री धर्मेंद्र साह शामिल थे। सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सम्राट चौधरी का स्वागत किया और उन्हें सम्मानित किया। सम्राट चौधरी ने सभी का धन्यवाद दिया और उनके प्रति आभार व्यक्त किया ।

भारतीय नागरिक बन रहे अपहरण और फिरौती का शिकार

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने भारतीय नागरिकों को ईरान में रोज़गार के नाम पर चल रही एक खतरनाक धोखाधड़ी के प्रति आगाह किया है। हाल ही में ऐसे कई मामले सामने आए हैं, जहां नौकरी के झूठे वादे पर ईरान गए भारतीयों को आपराधिक गिरोहों द्वारा अगवा कर लिया गया और उनके परिवारों से मोटी फिरौती की मांग की गई। रिपोर्ट्स के अनुसार, धोखेबाज़ एजेंट भारतीय नागरिकों को ईरान के रास्ते अन्य देशों में आकर्षक नौकरियों का लालच देते हैं। वे उन्हें यह कहकर फुसलाते हैं कि ईरान पहुंचने के बाद उन्हें आसानी से दूसरे देशों में काम के लिए भेज दिया जाएगा। लेकिन ईरान की धरती पर कदम रखते ही इन भारतीय नागरिकों का सामना आपराधिक गिरोहों से होता है। ये गिरोह उन्हें बंधक बना लेते हैं और फिर भारत में उनके परिवार वालों को फोन कर उनकी रिहाई के बदले में फिरौती की मांग करते हैं। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए, सरकार ने एक कड़ी चेतावनी जारी की है। एडवाइजरी में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि सभी भारतीय नागरिक ऐसे किसी भी रोज़गार प्रस्ताव से अत्यंत सतर्क रहें। यह विशेष रूप से ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि ईरान सरकार ने भारतीय नागरिकों को केवल पर्यटन के उद्देश्य से वीज़ा-मुक्त प्रवेश की अनुमति दी है।

जीतन राम मांझी की बहू दीपा बोलीं-यह सब होना ही था

नई दिल्ली। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी की बहू और हम पार्टी की विधायक दीपा मांझी ने लालू प्रसाद यादव के परिवार में चल रही लड़ाई पर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि यह घरेलू मामला है, लेकिन लालू प्रसाद यादव के परिवार में यह सब कुछ होना ही था। लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य को लेकर दीपा मांझी ने समाचार एजेंसी आईएएनएस से बातचीत में कहा, लालू प्रसाद यादव के बड़े बेटे पहले ही बगावत कर चुके हैं। वे परिवार से अलग रहते हैं और पारिवारिक कार्यक्रमों से भी दूर रहते हैं। उन्होंने कहा, ये उनका घरेलू मामला है।

पीएम मोदी कल से लागू हो रहे सुधारों पर बोले

हम नागरिक देवो भव:के मंत्र के साथ आगे बढ़ रहे हैं

नई दिल्ली/ एजेंसी

राष्ट्र के नाम संबोधन में पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि आज जाने-अनजाने में हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में बहुत सी विदेशी चीजें जुड़ गई हैं। हमारी जेब में कंघी देशी है कि विदेशी है, हमें पता ही नहीं। अब हमें इससे मुक्ति पानी होगी। हमें वो चीजें खरीदनी होंगी जो भारत में बनी हो, जिसमें हमारे देश के बेटे-बेटियों का पसीना हो, हमें देश के घरों को स्वदेशी का प्रतीक बनाना है। गर्व से कहो कि मैं स्वदेशी खरीदता हूं, मैं स्वदेशी सामान की बिक्री भी करता हूं। ये हर भारतीय का मिजाज बनना चाहिए। जब ये होगा तो भारत तेजी से विकसित होगा। मेरा आज सभी राज्य सरकारों से भी आग्रह है कि आत्मनिर्भर भारत के इस अभियान के साथ, स्वदेशी के इस अभियान के साथ अपने राज्यों में उत्पादन को गति दें। पूरी ऊर्जा और उत्साह से। निवेश के लिए माहौल बनाएं, जब केंद्र और राज्य मिलकर आगे बढेंगे तो विकसित भारत का सपना पूरा होगा। इसी के साथ मैं इस बचत उत्सव की अनेक शुभकामनाएं देते हुए अपनी बात समाप्त करता हूं। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि अब हमें आत्मनिर्भरता के मंत्र के साथ आगे बढ़ना होगा। जो देश के लोगों की जरूरत है, जो हम देश में बना सकते हैं, वो हमे देश में ही बनाना चाहिए। जीएसटी की दरें कम होने से नियम और प्रक्रियाएं और आसान बनने से हमारे एमएसएमई, हमारे लघु, कुटीर उद्योगों को बहुत फायदा होगा। उनकी

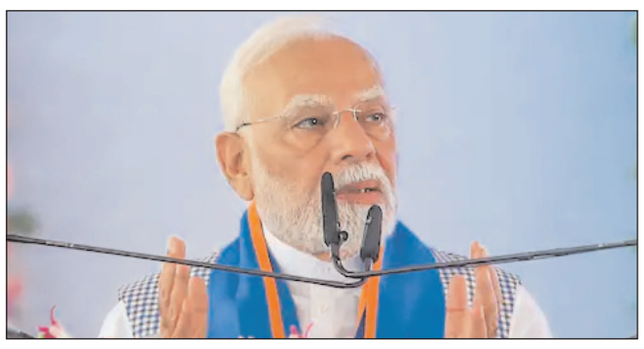

बिक्री बढ़ेगी और टैक्स भी कम देना पड़ेगा। यानी उनको भी डबल फायदा होगा। इसलिए आज मेरी एमएसएमई से, चाहे लघु हों या सूक्ष्म या कुटीर, आप सबसे बहुत अपेक्षाएं हैं। आपको भी पता है कि जब भारत समृद्धि के शिखर पर था, तब अर्थव्यवस्था का मुख्य आधार हमारे लघु-कुटीर उद्योग थे। भारत की मैन्युफैक्चरिंग और क्वालिटी बेहतर होती थी। हमें उस गौरव को वापस पाना है। जो हमारे उद्योग बनाएं वो दुनिया में उत्तम से उत्तम हों। जो हम बनाएं वो दुनिया में बेस्ट के पैरामीटर को पार करने वाला हो। हमारे उत्पाद दुनिया में भारत का गौरव बढ़ाएं। पीएम मोदी ने कहा कि मुझे खुशी है कि दुकानदार भाई-बहन जीएसटी सुधार को लेकर उत्साह में है। वे इसके फायदों को ग्राहकों को पहुंचाने में जुटे हैं। हम नागरिक देवो भव: के मंत्र के साथ आगे बढ़ रहे हैं। अगर हम इनकम टैक्स में छूट और जीएसटी में छूट को जोड़ दें तो एक साल में जो निर्णय हुए हैं, उससे देश के लोगों को 2.5 लाख करोड़ से ज्यादा की बचत होगी। इसलिए यह बचत उत्सव बन रहा है। पीएम मोदी ने कहा कि पिछले 11 साल में देश में 25 करोड़ लोगों ने गरीबी को हराया है। गरीबी को परास्त किया है और गरीबी से बाहर निकलकर एक बहुत बड़ा समूह नियो मिडिल क्लास के तौर पर बड़ी भूमिका अदा कर रहा है।

आज नवरात्र के पहले दिन से होगी शुरुआत-पीएम मोदी

प्रधानमंत्री ने कहा कि नवरात्रि के पहले दिन 22 सितंबर की सुबह से नेक्स्ट जेनरेशन जीएसटी सुधार लागू हो जाएंगे। इसके साथ ही देश में जीएसटी बचत उत्सव की शुरुआत होगी। उन्होंने कहा कि गरीब, मध्यमवर्ग, किसान, महिलाएं, दुकानदार और उद्यमी सभी को इस सुधार का लाभ मिलेगा और त्योहारों का मौसम खुशियों से भरा होगा। पीएम मोदी ने कहा कि नेक्स्ट जेन जीएसटी सुधार देश की ग्रोथ स्टोरी को नई दिशा देंगे। निवेश को आकर्षित करेंगे और हर राज्य को विकास की दौड़ में बराबरी से शामिल करेंगे। उन्होंने कहा कि 2017 में जीएसटी लागू करना ऐतिहासिक कदम था और अब इसका नया अध्याय शुरू

बीजेपी हुई हमलावर

तेजस्वी की यात्रा में भी मोदी की मां का अपमान

नई दिल्ली। तेजस्वी यादव की 'बिहार अधिकार यात्रा' के दौरान पीएम मोदी की दिवंगत मां के अपमान का आरोप लगने के बाद भाजपा ने कड़ी आपत्ति जताई है, इसे प्रधानमंत्री की मां का दूसरा सार्वजनिक अपमान बताया जा रहा है। भाजपा नेताओं ने तेजस्वी पर कार्यकर्ताओं को ऐसे व्यवहार के लिए उकसाने का आरोप लगाते हुए इसे बिहार की संस्कृति का अपमान बताया और आगामी चुनावों में जनता द्वारा जवाब देने की चेतावनी दी। यह घटना लोकसभा चुनाव के बाद भी तीखी व्यक्तिगत हमलों की राजनीति को उजागर करती है। भारतीय जनता पार्टी ने रविवार को

आरोप लगाया कि तेजस्वी यादव की 'बिहार अधिकार यात्रा' के दौरान राष्ट्रीय जनता दल के कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दिवंगत मां के लिए अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल किया।

रात कबड्डी मैच के दौरान दर्दनाक हादसा हुआ

कोंडागांव जिले में कबड्डी मैच के दौरान बिजली की चपेट में आकर तीन दर्शकों की दर्दनाक मौत

जगदलपुर। कोंडागांव जिले के केशकाल विधानसभा क्षेत्र के विश्रामपुरी थाना अंतर्गत ग्राम रावसवाही में रात कबड्डी मैच के दौरान दर्दनाक हादसा हुआ है। जहां हाई वोल्टेज करंट की चपेट में 6 लोग आ गए। जिनमें से तीन लोगों की मौत हो गई है और तीन झुलस गए। दो लोगों की हालत गंभीर बताई जा रहा है। झुलसे लोगों का विश्रामपुरी अस्पताल में उपचार जारी है। विश्रामपुरी पुलिस मामले की जांच में जुट गई है। एक मृतक के भाई ने पूरी घटना के लिए आयोजन समिति को जिम्मेदार ठहराया है। वहीं, जिला पंचायत सदस्य राम चरण शोरी ने सरकार से तीनों मृतकों व दोनों घायलों को सरकार से मुआवजा देने की मांग की है। बताया जा रहा है कि यह घटना शनिवार रात तकरीबन 9:30 बजे की है, जहां रात्रिकालीन कबड्डी मैच के दौरान वहां बड़ी संख्या में ग्रामीण इकट्ठा हुए थे। तभी एकाएक मौसम ने करवट बदली और तेज आंधी तूफान चलने लगा। चूंकि कार्यक्रम का टेंट 11 केवी बिजली सप्लाई के ठीक सामने लगा था। ऐसे में जब आंधी तूफान चली तो टेंट जाकर 11 केवी बिजली तार से जा टकराया। हाई वोल्टेज करंट की चपेट में आने पर झुलसे छह युवकों को तत्काल निजी वाहन में विश्रामपुरी अस्पताल लगाया गया। जहां डॉक्टरों ने 3 लोगों को मृत घोषित कर दिया। वहीं 2 लोंगो की स्थिति गंभीर है। जिन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया। वहीं एक

युवक को हल्की चोट आई है। फिलहाल घायलों का अस्पताल में उपचार जारी है। सतीशकुमार पिता रतन नेताम 24 साल गरांजीडीही निवासी, श्याम नेताम पिता घसियाराम 25 साल पांडे पारा निवासी, सुनील शोरी पिता घनपत उम्र 25 साल बांसकोट निवासी शिवम दास पिता भारत दास 16 वर्ष बांसकोट निवासी, सुविलाल मरकाम पिता वादेराम मरकाम उम्र 25 वर्ष रावसवाही निवासी की हालात गंभीर है। एएसपी कौशलेंद्र देव पटेल ने बताया कि यह घटना विश्रामपुरी थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले रावस गाँव में हुई। गाँव के बच्चों ने कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया था और मैच के दौरान अचानक मौसम बदल गया, जिससे बिजली गिरी और आंधी आई। टेंट के ऊपर से गुजर रही 11 केवी की बिजली की लाइन टूट गई और टेंट में करंट दौड़ गया। तीन बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई और तीन बच्चे घायल हैं।

ये पीएम मोदी का देशवासियों को दिवाली गिफ्ट

जीएसटी रिफॉर्म से नए रोजगार का होगा सृजन-सीएम योगी.....

लखनऊ/ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दीपावली के उपहार के रूप में हर देश और प्रदेशवासी को जीएसटी रिफॉर्म का गिफ्ट दिया है। इससे जहां एक ओर जरूरी चीजें छात्रों के लिए शिक्षण सामग्री, दूध, दही, घी, पनीर, खाने की वस्तुओं में भारी छूट दी गयी है, वहीं दूसरी ओर नशे और फिजूलखर्ची पर भारी टैक्स लगाया गया है। युवाओं के सपनों को उड़ान देने के लिए बाइक, कार, घर, घर पर लगने वाले स्टील, सीमेंट आदि पर भी छूट दी गयी है। यह घोषणा 3 सितंबर को जीएसटी काउंसिल ने की थी, जिसे 22 सितंबर से पूरे देश

में लागू किया जा रहा है। वहीं विजयदशमी पर हर गांव, हर कस्बे और हर जिले में युवाओं को बुराई के प्रतीक पाप, अत्याचार, भ्रष्टाचार, अन्याय और नशे का पुतला जलाना होगा। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने आवास पर रविवार को नशामुक्त भारत के लिए नमो युवा रन का शुभारंभ करते हुए कही। नमो मैराथन कालिदास मार्ग से शुरू होकर 1090 चौराहे पर समाप्त हुई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भारत माता की जय के जयकारों से युवाओं को हौसला बढ़ाया। सीएम योगी ने कहा कि प्रधानमंत्री ने 'आजादी के अमृत महोत्सव' के अवसर पर देशवासियों से विकसित भारत का संकल्प लेने। और पंच प्रण के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया था। उन्होंने कहा था कि गुलामी के अंशों को समाप्त करना होगा, अपनी विरासत का सम्मान करना होगा, सेना व वर्दीधारी बलों के प्रति आदर रखना होगा।

बाढ़ का स्थायी समाधान को लेकर सैलजा ने सैनी को लिखा पत्र

हिसार। कांग्रेस की महासचिव व पूर्व केंद्रीय मंत्री कुमारी सैलजा ने हिसार-ड्रेन से लगते गांवों का दौरा कर खेतों में भरे पानी और किसानों की तबाही का हाल जाना। हालात पर गहरी चिंता जताते हुए उन्होंने प्रदेश के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को पत्र लिखकर स्थायी समाधान की मांग की। साथ ही उन्होंने किसानों को कम से कम प्रति एकड़ 50,000 रुपये का मुआवजा देने की भी मांग की। कुमारी सैलजा ने कहा कि हिसार घग्घर ड्रेन टूटने और भारी बारिश से हिसार, फतेहाबाद और सिरसा में हजारों एकड़ फसलें (धान, कपास, बाजरा) बर्बाद हो गई हैं। कई ढाणियां खाली करानी पड़ीं और कुछ घरों को भी नुकसान हुआ।

वोट चोरी' पर गरमाई सियासत

90 प्रतिशत महायुति विधायक धांधली से चुनाव जीते-राउत..

नई दिल्ली/ एजेंसी

शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा भाजपा पर लगाए गए वोट चोरी के आरोपों को दोहराया और कहा कि महाराष्ट्र में महायुति के 90 प्रतिशत विधायक वोट चोरी के कारण जीते हैं। राउत की यह प्रतिक्रिया राहुल गांधी के हालिया दावों के दो दिन बाद आई है, जिसमें उन्होंने कर्नाटक के अलंद विधानसभा क्षेत्र से लगभग 6000 वोटों की वोट चोरी का आरोप लगाया था। इस साल की शुरुआत में, कांग्रेस सांसद ने चुनाव आयोग

द्वारा बेंगलुरु मध्य लोकसभा क्षेत्र से लगभग 100000 नामों को हटाने और चुनावों में धांधली करने में भाजपा की मदद करने का आरोप लगाया था। संजय राउत ने संवाददाताओं से कहा कि महाराष्ट्र में ऐसे लोग चुने गए हैं जिनके बारे में लोगों को भी पता नहीं है कि वे विधायक हैं। वे 'वोट चोरी' के कारण विधायक बने हैं। एकनाथ शिंदे, अजित पवार या भाजपा के 90 प्रतिशत विधायक वोट चुराकर या धांधली करके विधायक बने हैं। इससे पहले गुरुवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने राष्ट्रीय राजधानी में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर भारतीय लोकतंत्र को नष्ट करने वाले लोगों को बचाने का आरोप लगाया। उन्होंने दावा किया कि कुछ खास लोग व्यवस्थित रूप से अल्पसंख्यक समूहों के वोट काट रहे हैं जो विशेष रूप से कांग्रेस को वोट देते हैं।

एच-1बी वीजा धारकों को दी नौकरी....

अमेरिकी कंपनियों ने 40000 हजार आईटी पेशेवरों को निकाला

वॉशिंगटन/ एजेंसी

अमेरिका में एच-1बी वीजा को लेकर बड़ा विवाद सामने आया है। व्हाइट हाउस ने शनिवार को कहा कि कई अमेरिकी कंपनियों ने इस साल 40,000 से ज्यादा अमेरिकी टेक वर्कर्स की छंटनी की और उनकी जगह विदेशी कर्मचारियों, खासकर एच-1बी वीजा धारकों को नौकरी दी। व्हाइट हाउस ने कहा कि इस कदम से अमेरिकी युवाओं का साइंस, टेक्नोलॉजी, इंजीनियरिंग और मैथ्स (एसटीईएम) करियर की तरफ रुझान कम हो रहा है और यह अमेरिका की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरा बन सकता है। व्हाइट हाउस की तरफ से जारी फैक्ट शीट के अनुसार, एक कंपनी को 5,189 एच-1बी वीजा की मंजूरी मिली, लेकिन उसने इसी साल 16,000 अमेरिकी कर्मचारियों को नौकरी से निकाला। दूसरी कंपनी को 1,698 एच-1बी वीजा की मंजूरी मिली, जबकि उसने ओरेगन में 2,400 वर्कर्स को जुलाई में हटा दिया। तीसरी कंपनी ने 2022 से अब तक 27,000 अमेरिकी कर्मचारियों की छंटनी की, जबकि उसे इसी दौरान 25,075 एच-1बी वीजा मिले। एक और कंपनी ने फरवरी 2025 में 1,000 अमेरिकी कर्मचारियों की छंटनी की, जबकि उसे 1,137 एच-1बी वीजा की मंजूरी दी गई। व्हाइट हाउस ने यह भी खुलासा किया कि कई बार अमेरिकी कर्मचारियों को गोपनीय समझौते (एनडीए) के तहत अपने विदेशी रिप्लेसमेंट को ट्रेनिंग देने के

लिए मजबूर किया गया। इस विवाद के बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने घोषणा की कि अब कंपनियों को हर नए एच-1बी वीजा के लिए 100,000 (करीब 83 लाख रुपये) का एकमुश्त शुल्क देना होगा। व्हाइट हाउस ने कहा कि यह कदम एच-1बी प्रोग्राम के दुरुपयोग को रोकने, अमेरिकी कर्मचारियों की तनख्वाह गिरने से बचाने और राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करने के लिए उठाया गया है। यह शुल्क केवल नए एच-1बी वीजा आवेदनों पर लागू होगा। पहले से जारी वीजा या उनके नवीनीकरण पर इसका कोई असर नहीं पड़ेगा। यह नियम 21 सितंबर 2025 से प्रभावी होगा। 2025 की एच-1बी लॉटरी जीत चुके उम्मीदवारों पर भी यह शुल्क लागू नहीं होगा। अमेरिकी यूएससीआईएस ने स्पष्ट किया कि जो वीजा आवेदन 21 सितंबर से पहले दाखिल किए गए हैं, उन पर नया शुल्क नहीं लिया जाएगा। इस फैसले का सीधा असर भारतीय आईटी प्रोफेशनल्स पर पड़ेगा। हर साल एच-1बी वीजा धारकों में भारतीयों की संख्या सबसे ज्यादा रहती है। हालांकि, जो भारतीय कर्मचारी पहले से अमेरिका में काम कर रहे हैं या अपना वीजा रिन्यू करा रहे हैं, उन्हें यह शुल्क नहीं देना होगा।

पूर्व विदेश सचिव का जवाब, डोनाल्ड ट्रंप को मोदी के खिलाफ हथियार न बनाएं

कांग्रेस अध्यक्ष के आरोपों का जवाब देते हुए पूर्व विदेश सचिव कंवल सिब्बल ने एक एक्स पोस्ट में कहा कि विदेशी धमकियों के खिलाफएकजुट होने के बजाय, पीएम मोदी को दोष देना भारत के प्रतिरोध को कमजोर करता है। उन्होंने यह भी कहा कि ट्रंप अपने सहयोगियों सहित सभी के साथ घिनौना व्यवहार कर रहे हैं। सिब्बल ने सवाल उठाया, 'क्या विपक्ष अमेरिका द्वारा हमारी विदेश नीति के विकल्पों पर निर्देशित होने से इनकार कर रहा है?' उन्होंने यह भी कहा कि भारत ने पाकिस्तान की तरह ट्रंप की सद्भावना हासिल करने के लिए व्यापारिक सौदे नहीं किए। सिब्बल ने आगे कहा कि अगर ट्रंप अपने समर्थकों को खुश करने के लिए अमेरिका की उपलब्धियों को रद्द करना चाहते हैं, तो यह सिर्फ भारत की समस्या नहीं है।

महासमुंद की बालक एवं बालिका टीम ने किया फ़ाइनल में प्रवेश

महासमुंद(समय दर्शन)। शहीद स्व. श्री आकाशराव गिरेपुंजे सहायक पुलिस अधीक्षक की स्मृति में बास्केटबॉल संघ जिला महासमुंद द्वारा राज्य स्तरीय सब – जूनियर बालक एवं बालिका बास्केटबॉल चैंपियनशिप 2025 का आयोजन दिनांक 19 से 21 सितंबर 2025 तक मिनी स्टेडियम महासमुंद में किया गया।

उद्घाटन समारोह में मुख्य अतिथि तिमरेंदु शेखर कंवर, समाज सेवक, विशिष्ट अतिथि प्रदीप चंद्राकर महामंत्री भाजपा जिला महासमुंद, संदीप दीवान सभापति भारतीय रेड क्रॉस सोसायटी, प्रशांत श्रीवास्तव, हुलसी चंद्राकर उपाध्यक्ष जनपद पंचायत महासमुंद, दिग्विजय साहू जनपद सदस्य, जसमीत बादल मक्कड़, मनमीत सिंग, परमजीत सिंह समाज सेवक, देवेंद्र सिंह ठाकुर सभापति जनपद पंचायत गरियाबंद, प्रदेश बास्केटबॉल संघ से आर. एस. गौर अंतर्राष्ट्रीय कोच, विपिन बिहारी ए ग्रेड निर्णायक, सरजीत चक्रवर्ती राष्ट्रीय कोच, मिथलेश ठाकुर राष्ट्रीय कोच, भारतीय नेताम अंतर्राष्ट्रीय महिला खिलाड़ी, कविता अंतर्राष्ट्रीय महिला खिलाड़ी, जिला बास्केटबॉल संघ से नुरेन चंद्राकर, अध्यक्ष, गौरव चंद्राकर चेयरमैन, मनीष श्रीवास्तव उपाध्यक्ष, शुभम तिवारी सचिव, नन्द कुमार सिंहा सहायक संचालक शिक्षा, इमरान अली उपस्थित रहे। मंच संचालन राजेश शर्मा एवं पंकज सोनी ने किया। जिलों से आए खिलाड़ियों ने महासमुंद जिले की दिव्या रंगारी जो भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए स्न्ढ्ढ्र एशिया कप 2025 में स्वर्ण पदक जीतने पर जोरदार खुशी जताई गई। अतिथियों ने खिलाड़ियों से मुलाकात कर प्रतियोगिता के लिए शुभकामनाएं दीं।

पहले दिन 19 सितंबर को खेले गए मैच में बालक वर्ग में पहला मैच में कोरबा ने बिलासपुर को 43- 34 से हराया, दूसरा मैच भिलाई नगर निगम ने बिलासपुर को 53ङ्क15 से हराया, तीसरा मैच बिलासपुर ने सरगुजा को 46ङ्क15 से हराया, कोरबा ने मुंगेली को 25- 0 से हराया, महासमुंद ने सरगुजा को 31-19 से हराया।

बालिका वर्ग में उद्घाटन मैच में महासमुंद ने मुंगेली को 20ङ्क04 से हराया, बीएसपी ने मुंगेली को 28ङ्क2 से हराया, दुर्ग ने बिलासपुर को 37ङ्क21 से हराया। 20 सितम्बर को खेला गया मैच जिसमें बालक वर्ग में बीएसपी ने मुंगेली को 37ङ्क07 से हराया, महासमुंद ने दुर्ग को 17-35 से हराया, कोरबा ने राजनांदगांव को 36-33 से हराया, राजनांदगांव ने मुंगेली को 32-06 से हराया, राजनांदगांव ने बिलासपुर को 48-20 से हराया, बालिका वर्ग में बिलासपुर ने सरगुजा को 17-05 से हराया, दुर्ग ने मुंगेली को 26-00 से हराया, भिलाई नगर निगम ने जिला सरगुजा को 22-10 से हराया। महासमुंद जिले की बालक एवं बालिका टीम फाइनल में प्रवेश कर चुकी हैं। आयोजन को सफल बनाने में अध्यक्ष बास्केटबॉल संघ जिला महासमुंद पदाधिकारियों में राजस्व निरीक्षक मनीष श्रीवास्तव, अध्यक्ष बास्केटबॉल संघ महासमुंद नुरेन चंद्राकर, चेयरमैन गौरव चंद्राकर, सचिव शुभम तिवारी, अभिषेक, कुलेश्वर चंद्राकर, जिलों के निर्णायक , खेल एवं युवा कल्याण महासमुंद एवं विभिन्न विभागों, सहयोगियों का योगदान रहा। समापन समारोह में मुख्य अतिथि अध्यक्ष नगर पालिका परिषद निखिल कांत साहू, अमर अरूण चंद्राकर, राज कुमार राठौड़, अमन चंद्राकर, डॉ तरुण साहू, बादल मक्कड़, डॉ मंजीत चंद्रसेन, सन्नी लूनिया, हर्षित चंद्राकर, मेहुल सूचक, राजेश पोपट, गिरधर यदु, राहुल चंद्राकर, यशवंत चंद्राकर, कामेश लाल, संतोष सोनी, किरण महाडीक आदि अतिथि शामिल होंगे। अतिथियों द्वारा राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय खिलाड़ियों को सम्मानित किया जाएगा तथा बालक एवं बालिका टीम विजेताओं को पुरस्कृत किया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

छत्तीसगढ़ राज्य खाद्य आयोग के अध्यक्ष संदीप शर्मा आज महासमुंद जिले के दौरे पर

महासमुन्द (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ राज्य खाद्य निगम आयोग के अध्यक्ष संदीप शर्मा 22 सितंबर,सोमवार को महासमुंद जिले के दौरे पर रहेंगे। वे सुबह 9:00 बजे रायपुर से प्रस्थान करेंगे एवं महासमुंद पहुंचेंगे, जहां वे आंगनवाड़ी केंद्र,पीडीएस, मध्याह्न भोजन, छात्रावास आदि का निरीक्षण करेंगे। निरीक्षण के पश्चात दोपहर 2:30 बजे वे कलेक्ट्रेट सभा कक्ष में अधिकारियों की बैठक लेकर विभागीय गतिविधियों की समीक्षा करेंगे। बैठक के पश्चात शाम 4.30 बजे श्री शर्मा रायपुर के लिए रवाना होंगे।

जश्ने ईद मिलादुन्नबी में जामा मस्जिद कमेटी को उत्कृष्ट सेवाओं के लिए मिला सम्मान

राजनांदगांव। शहर में जश्ने ईद मिलादुन्नबी 1500 साला मुबारक का जश्न अकीदत और शान-ओ-शौकत के साथ मनाया गया। इस मौके पर प्यारेलाल स्कूल तुलसीपुर में सीरतुन्नबी इंतजामिया कमेटी की जानिब से एक अजीमुश्शान तकरीर और महफिल-ए-मिलाद का एहतिमाम किया गया। कार्यक्रम में बड़ी तादाद में शहर के उलेमा-ए-किराम, सामाजिक कार्यकर्ता, बुद्धिजीवी वर्ग और नौजवान शरीक हुए। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि मुरादाबाद से तशरीफलाए मुफ्ती हम्माद रजा किबला साहब ने सीरत-ए-नबी पर रोशनी डालते हुए मोहब्बत, अमन और भाईचारे का पैगाम दिया। उन्होंने कहा कि पैगम्बरे इस्लाम की तालीमात इंसानियत को एकजुट करने वाली हैं और आज के दौर में इन्हें अपनाने की सख्त जरूरत है। इस खास मौके पर राजनांदगांव की जामा मस्जिद कमेटी को उसकी बेहतरीन खिदमात के लिए सम्मानित किया गया। मस्जिद की मिल्कियत हीरामोती लाइन में नवनिर्मित मकान-दुकानों की तामीर, रख-रखाव और बेहतर प्रबंधन के लिए कमेटी की सराहना की गई। सम्मान स्वरूप जामा मस्जिद के सदर हाजी रईस अहमद शकील, उनके तमाम कारकुनान, ईमामे-जामा मस्जिद कारी कासिम रजा बरकाती साहब को मुफ्ती हम्माद रजा साहब के दस्ते मुबारक से मोमेंटो भेंट कर नवाजा गया। इस मौके पर कमेटी से जुड़े हाजी फारूख भाई, हाजी तनवीर अहमद, मुन्ना इब्राहिम, सैय्यद अफजल अली, जाकिर अंसारी, इमरान बाठिया और हाजी अतहर साहब भी मौजूद रहे। शहर की विभिन्न सामाजिक व धार्मिक संस्थाओं के प्रतिनिधियों ने भी इस सम्मान को साझा खुशी के रूप में देखा और जामा मस्जिद कमेटी को दिली मुबारकबाद पेश की। कमेटी की इस उपलब्धि पर शहरभर में खुशी का माहौल देखा गया। लोगों का कहना है कि मस्जिद की तामीर और इंतजाम के साथ-साथ कमेटी ने समाज में अमन व भाईचारे के लिए भी मिसाली काम अंजाम दिए हैं। इस अवसर पर जामा मस्जिद कमेटी के सदर हाजी रईस अहमद शकील ने सीरतुन्नबी कमेटी, मोती मस्जिद तुलसीपुर के सदर सैय्यद अली अहमद, अफजल खान, अहमद रजा, अंसारी सहित तमाम आयोजकों का शुक्रिया अदा करते हुए कहा कि इस तरह की महफिलें नई नस्ल को सच्चे रास्ते की राह दिखाने में मददगार साबित होती हैं। कार्यक्रम का समापन दुआ-ए-खैर के साथ हुआ। शहरवासियों ने उम्मीद जताई कि जामा मस्जिद कमेटी भविष्य में भी इसी जज़्बे और लगन के साथ समाज की खिदमत करती रहेगी और अमन, मोहब्बत व इंसानियत का पैगाम आम करती रहेगी।

बंछोर बने पांचवीं बार बीएसपी ऑफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष

भिलाई। नरेंद्र कुमार बंछोर भिलाई स्टील प्लांट के ऑफिसर्स एसोसिएशन के लगातार पांचवीं बार अध्यक्ष बनाकर एक रिकॉर्ड कायम किया है। अध्यक्ष पद पर कुल 2123 वोट पड़े। इनमें से एन के बंछोर को 1570 और इनके प्रतिद्वंदी कुलमी को 547 वोट मिले। इस प्रकार बंछोर ने 1023 वोटों से बंपर जीत हासिल की। रात करीब पौने 3 बजे रिजल्ट घोषित किया गया। विदित हो की राष्ट्रीय स्तर पर एन.के बंछोर वर्तमान में सेफी के चेयरमैन और एनसीओए के वर्किंग प्रेसिडेंट हैं। आज दिन भर उन्हें बधाई देने का तांता लगा रहा। बंछोर ने बीएसपी अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इन्होंने मुझ पर जो भरोसा जताया है उसके लिए मैं हमारे साथियों का तहे दिल से शुक्रिया अदा करता हूं। हमारे साथियों ने जिन मुद्दों के लिए हमें चुना है हम उन मुद्दों पर संघर्ष जारी रखेंगे और उन समस्याओं का शीघ्र समाधान करेंगे।

मानव अधिकार संगठन के पदाधिकारी आए संदेह के घेरे में

इन लीगल ट्रेडिंग की खबर पर पड़ा छापा

बिलासपुर। 20 तारीख को दो थानों के टी आई और साइबर क्राइम वालों ने जीत कॉन्टिनेंटल के चौथा फ्लोर पर छापा मारा बताया जाता है पुलिस के पास इन लीगल ट्रेडिंग सेल कंपनी की गतिविधियों को लेकर पक्की सूचना थी। सूत्र बताते हैं कि महाराष्ट्र के एक शहर के फर्जी कंपनी के प्रतिनिधि पिछले कई महीनो से लगातार आ रहे हैं। छत्तीसगढ़ में फेक एफडी और फेक बैंक गारंटी की संख्या लगातार बढ़ रही है। जिस तरह वायदा कारोबार में एक समय गुंडागर्दी बढ़ रही थी उससे गंदी स्थिति इस समय ब्लाक चेन, मल्टी लेवल मार्केटिंग और इन लीगल ट्रेडिंग की है। 100 दिन, 50 दिन, 40 दिन में पैसा डबल के झांसे देकर पैसा लिया जाता है ट्रेड कराया जाता है। कंपनी अचानक गायब हो जाती है और आदमी ठगी का शिकार होता है।

कथित कंपनी के बिजनेस पार्टनर पैसे से मोटे हो कर ऐश करते हैं। कहा जाता है कि कल जब छापा पड़ा उसके पहले से दिन भर बिजनेस मीट हुई है और लुम्भावने वायदे किए गए । भरोसेमंद सूत्र बताते हैं कि पूछताछ के लिए थाना में बैठायें लोगों को छुड़ाने के लिए एक मानव अधिकार संगठन के पदाधिकारीयों ने खूब भाग-दौड़ की कारण जो लोग भाग दौड़ कर रहे थे, जिनके कहने से कर रहे थे वह स्वयं इन लीगल ट्रेडिंग का बादशाह बताया जाता है।

शहीद वीर अहीरों का अपमान नहीं सहेगा यादव समाज : हरीश यादव

राजनांदगांव। सर्व यादव समाज ने फिल्म निर्माता-निर्देशक फरहान अख्तर द्वारा बनाई गई फिल्म 120 वीर बहादुर का विरोध करते हुए आज राज्यपाल के नाम अपर कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। यादव समाज का आरोप है कि फिल्म में 1962 के रेजंगला युद्ध में शहीद हुए वीर अहीरों के शौर्य और बलिदान को नजरअंदाज किया गया है। ज्ञात हो कि वर्ष 1962 में भारत-चीन युद्ध के दौरान लड़े गए रेज़ंगला युद्ध में कुंमाऊँ रेजीमेंट के 120 जवानों ने अदम्य साहस का परिचय देते हुए वीरगति प्राप्त की थी। इन 120 में से 117 जवान अहीर समुदाय से थे। सर्व यादव समाज का कहना है कि फिल्म के नाम और प्रचार सामग्री में इस ऐतिहासिक सच्चाई को नजरअंदाज कर वीर शहीदों का अपमान किया गया है। प्रदेश उपाध्यक्ष हरीश यादव ने कहा कि श्जब युद्ध में 117 अहीर शहीद हुए थे, तो फिल्म का नाम 120 वीर बहादुर क्यों रखा गया? फिल्म का नाम 120 वीर अहीर बहादुर होना चाहिए, ताकि शहीदों को उनका सही सम्मान मिल सके। इतिहास को छुपाना और तोड़-मरोड़ कर पेश करना न केवल अपमान है, बल्कि अहीर समाज की भावनाओं के साथ खिलवाड़ भी है।

यादव समाज ने मांग की है कि फिल्म के नाम में संशोधन कर वीर अहीरों को उचित सम्मान दिया जाए और साथ ही अहीर रेजिमेंट की स्थापना की जाए। समाज का कहना है कि यदि फिल्म में बदलाव नहीं किया गया और उसे सिनेमा घरों में प्रदर्शित किया गया, तो वे उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

जिला प्रचार-प्रसार प्रभारी दुर्गा प्रसाद यादव ने बताया कि छत्तीसगढ़ के सभी जिलों में ज्ञापन सौंपे जाएंगे और अन्य राज्यों में भी समाज के पदाधिकारियों द्वारा विरोध दर्ज किया जा रहा है।

शीतला मंदिर में जलेंगे देश-विदेश के श्रद्धालुओं के मनोकामना ज्योत

[ांर नवरात्र आज से, मंदिरों में श्रद्धालुओं की लगेगी भीड़

दुर्ग (समय दर्शन)। सिविल लाईन कसारीडीह स्थित प्रसिद्ध मां सतरुपा शीतला मंदिर में नवरात्रि का पर्व पूरे आस्था व श्रद्धा के साथ मनाया जाएगा। क्वांर नवरात्रि पर इस वर्ष मंदिर में 1551 की संख्या में देश व विदेश के श्रद्धालुओं द्वारा मनोकामना ज्योत प्रज्जवलित किए गए है। मंदिर में मां शीतला सात रुपों में विराजमान है। जिसके करीब एक स्वयंभू जलकुण्ड का पानी कभी सुखता नहीं है। ऐसी मान्यता है कि मंदिर के जलकुण्ड के पानी के सेवन व उपयोग करने से असाध्य रोग दूर होने के साथ मनोकामना पूर्ण होती है। फलस्वरुप मंदिर में क्वांर और चैत्र नवरात्रि पर मां शीतला के दर्शन के लिए श्रद्धालुओं का मेला लगता है। नवरात्रि पर्व पर इस वर्ष सतरुपा शीतला सेवा समिति द्वारा पूरे 10 दिन 22 सितंबर से 1 अक्टूबर तक धार्मिक कार्यक्रम के अलावा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं। इस संबंध में सतरुपा शीतला सेवा समिति के अध्यक्ष रोमनाथ साहू ने बताया कि मंदिर में क्वांर नवरात्रि पर्व की शुरुआत 22 सितंबर को शुभ मुहुर्त पर सुबह 11.36 बजे कलश स्थापना व ज्योत प्रज्जवल के साथ होगी। 27 सितंबर को पंचमी पर कलश चढ़ावा व माता का श्रृंगार, संध्या 4 बजे बाना परघनी, 30 सितंबर को महाअष्टमी पर्व पर संध्या 4 बजे हवन-पूजन, संध्या 6 बजे से कन्या पूजन व कन्याभोज एवं 1 अक्टूबर को महानवमी पर्व पर संध्या 4 बजे ज्योत-जंवारा की भव्य विसर्जन शोभायात्रा निकाली जाएगी। श्री साहू ने बताया कि नवरात्रि पर मंदिर में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किए गए हैं। इस कड़ी में 27 सितंबर को रात्रि 7.30 बजे गरियाबंद की प्रसिद्ध पंडवानी गायिका रोशनी नागवंशी अपने साथी कलाकारों के साथ पंडवानी गायन की प्रस्तुति देंगी। इसके अलावा विभिन्न जस गायन मंडलियों द्वारा प्रतिदिन मंदिर में जस गीतो की प्रस्तुति के माध्यम से माता की आराधना की जाएगी। सतरुपा शीतला सेवा समिति के अध्यक्ष रोमनाथ साहू ने बताया कि पर्व को लेकर मंदिर में विशेष साज-सज्जा की गई। विद्युत लाईटें एवं तोरण-पताका आकर्षण का केन्द्र बने हुए है। क्वांर नवरात्रि की तैयारियों को अंतिम रुप देने में सतरुपा शीतला सेवा समिति के अध्यक्ष रोमनाथ साहू, उपाध्यक्ष शिव सागर सिन्हा, सचिव प्रदीप देशमुख,कोषाध्यक्ष सुरेन्द्र धर्माकर, संयुक्त सचिव चम्पा साहू, प्रबंध कार्यकारिणी सदस्य तामेश्वर यादव, पुष्पा श्रीवास,सदस्य भीखम साहू, कृष्णा देशमुख, भारतेंदु गौतम धनेश सिंह राजपूत, हेमसिंह ठाकुर के अलावा अन्य सदस्य जुटे हुए है।

अग्रवाल नर्सिंग होम बसना मे नि:शुल्क छाती एवं श्वास रोग शिविर

सेवा भावी सोच को चरितार्थ करते अग्रवाल नर्सिंग होम बसना

बसना (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ मे महासमुन्द जिले के नाम को सुर्खियों में पहुँचाने वाले अग्रवाल नर्सिंग होम बसना स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में अपने जाने पहचाने अंदाज मे सेवा भावी सोच के साथ निरंतर क्षेत्र के जरूरत मंद लोगों के लिए वरदान साबित हो रहा है ।

इस तारतम्य में दिनांक 23 सितम्बर 2025 को अग्रवाल नर्सिंग होम, बसना में

नि:शुल्क छाती एवं श्वास रोग शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

इस शिविर में हैदराबाद की सुप्रसिद्ध डॉ. रजनी (M.D. Pulmonology) deccan medical college एमडी पल्मोलाजी डेक्कन मेडिकल कालेज हैदराबाद से प्रशिक्षित 6 वर्षों से अधिक अनुभवी डॉक्टर अपनी सेवाएँ प्रदान करेंगे।

डॉ. रजनी

चेस्ट फिजिशियन के साथ साथ क्रिटिकल केयर ,द्बष्ट, कोविड रोग विभाग के दक्ष विशेषज्ञ हैं।

अब बसना अग्रवाल नर्सिंग होम में इनकी उपलब्धता प्रतिदिन रहेगी।

शिविर में निम्न रोगों का परामर्श नि:शुल्क एवं जाँच में 30त्न छूट की सुविधा उपलब्ध होगी:

लम्बी खाँसी, टीबी, छाती में दर्द, साँस लेने में तकलीफ़

COPD, अस्थमा, दमा एलर्जी

ईओसिनोफिलिया ,

छाती में पानी भरना,

खर्राटे, नींद से जुड़ी समस्याएँ (स्लिप ऐपनिया)आदि।

विशेष सुविधा के रूप में CT Scan, सीटी स्कैन, ब्रांकोस्कोपी,ङ्क-ऋड्ड4एक्स-रे एवं खून की जाँच पर 30त्न छूट भी दी जाएगी।

शिविर का समय: सुबह 10 से दोपहर 3 बजे तक।

स्थान: अग्रवाल नर्सिंग होम, बसना महासमुंद

संपर्क 7773086100
9303623130

बसना में विजयादशमी उत्सव एवं पथ संचलन

बसना (समय दर्शन)। बसना मंडल (स्थान नई मंडी बसना) दिनांक 20 सितंबर 2025 को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ बसना मंडल द्वारा बसना नगर में विजयादशमी उत्सव सह पथ संचलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

जिसकी अध्यक्षता चतुर्भुज आर्य अध्यक्ष गाड़ा समाज ने की। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता राम दत्त चक्रधर माननीय सह सर कार्यवाह रहे। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में चतुर्भुज आर्य ने भारत के प्राचीन इतिहास को रेखांकित करते हुए हमारे हिंदू संस्कृति एवं हमारे पारिवारिक एवं सामाजिक पृष्ठभूमि पर कहा कि, प्राचीन काल से वर्तमान तक जाति प्रथा एवं इसके दुष्प्रभाव के कारण समाज को बहुत अधिक नुकसान हुआ है। अनेक क्षेत्रों में धर्मांतरण इन्हीं बातों के कारण अधिक फल फूल रहे हैं। चारों पुरुषार्थ, धर्म-अर्थ-काम-मोक्ष पर भी वैश्विक षडयंत्रों ने कुठाराघात किया है। अत: हमारे स्वयं सेवकों को समाज में जाकर समाज से अस्पृश्यता की भावना को दूर करने के लिए काम करना होगा। तभी हमारा हिंदू समाज सशक्त होगा।

कार्यक्रम में 1015 स्वयंसेवक नई मंडी बसना में एकत्र हुए एवं पथ संचलन पश्चात रामदत्त चक्रधर जी का बौद्धिक प्राप्त हुआ। बौद्धिक में उन्होंने कहा कि, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का 2 अक्टूबर 1925 में गठन हुआ था। तब से अब तक ,जब हम उसके यात्रा का 100 वर्ष होने पर शताब्दी वर्ष मना रहे हैं। इस समय भी उसका स्वरूप मूल स्वरूप के ही समान है।राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के स्वयंसेवक का ध्येय देश के हिंदू समाज को संगठित करना एवं सांस्कृतिक धरोहरों को सहेजना है। आगे उन्होंने कहा कि हमारे देश में उत्कृष्ट संस्कार वाले लोग चाहिए ।क्योंकि वही सांस्कृतिक एवं चरित्र, राष्ट्रीय चरित्र है। अत: राष्ट्रीय स्वयंसेवकों का ऐसे ही युवाओं का निर्माण करना प्रमुख कार्य है। संस्कार का पहला गुण स्वयं पर अनुशासन है।अत: देश और समाज को खड़े करने हेतु सेवा एवं संवेदना भाव लिए हुए युवाओं का निर्माण करना राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का प्रमुख कार्य है। जो शाखा के माध्यम से संपन्न हो रहा है। आज संघ में लगभग डेढ़ लाख सेवा कार्य चल रहे हैं ।इन स्वयंसेवकों का भाव फ्राष्ट्र ही सर्वोपरि है संगठन में शक्ति हैफ्। इसलिए हम सभी स्वयंसेवकों को विभिन्न समाज, विभिन्न जाति, विभिन्न भाषाओं को मानने वाले होने पर भी साथ मिलकर चलते हैं। क्योंकि इससे हिंदू समाज संगठित होता है। आज राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के रूप में संपूर्ण हिंदू समाज को एक प्रभावी संगठन मिला है। स्वयंसेवकों को सदा शाखा के सुदृढ़ीकरण पर कार्य करना होगा। क्योंकि इससे हमारी संस्कृति से ओतप्रोत एवं देशभक्ति की भावना से ओत-प्रोत युवा समाज को मिलते हैं ।संघ यात्रा में 1947 के विभाजन में एवं विभिन्न युद्धों में 1962 ,1965 1971 में भी स्वयं सेवकों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। 1962 के चीन युद्ध में योगदानों को देखते हुए 1963 में जवाहरलाल नेहरू जी ने गणतंत्र दिवस की परेड में संघ को आमंत्रित किया। 1965 में 22 दिन तक चले युद्ध में 17 दिन तक दिल्ली की पूरी व्यवस्था संघ के स्वयं सेवकों ने संभाली। इसके लिए लाल बहादुर शास्त्री जी ने परम पूजनीय गुरु जी से आग्रह किया था ।शक्तिशाली ही सदैव पूजनीय है। इसलिए हिंदू समाज को संगठित होना होगा।समाज को सफल बनाने के लिए संस्कृति से संस्कारित हिंदू समाज को एकजुट करना होगा। क्योंकि हिंदू समाज का उत्थान से ही देश का उत्थान होगा। आज पंच परिवर्तनों को अपने घरों से ही प्रारंभ करना होगा। इसमें हम सभी को कुटुंब प्रबोधन, समरसता, पर्यावरण, स्व का जागरण एवं नागरिक कर्तव्यों पर विशेष रूप से कार्य करना होगा। इससे एक कदम आगे बढ़कर हमारे युवाओं को शाखा स्थल पर व्यक्तित्व विकास करने हेतु एक आदत बनाने की आवश्यकता है। आने वाले समय में सदैव कार्य करते हुए इस देश को जगतगुरु बनाना है। यह कार्य तभी पूरा होगा जब देश के सामान्य लोग अच्छे सोच, अच्छे कार्य एवं अच्छे चरित्र के साथ खड़े होंगे । जब भारत का हिंदू समाज सफल होगा और भारत सफल होगा एवं भारत के सफल होने पर विश्व कल्याण होगा। हम सभी स्वयंसेवक अपने गुणों का विकास सदैव करते हुए, ऋषियों की कल्पना के भारत का निर्माण करेंगे। जिससे भारत पुन: विश्व गुरु के पद को प्राप्त करेगा ।राष्ट्रभक्ति के ज्वार को राष्ट्र शक्ति में बदलना ही समय का आवाहन है। इसलिए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रत्येक स्वयंसेवक को प्रतिक्षण काम करते हुए हिंदू समाज को जगा कर, एक करना है।

प्रधानमंत्री के 75वें जन्मदिवस पर छत्तीसगढ़ की ऐतिहासिक उपलब्धि

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ की बड़ी उपलब्धि

रायपुर।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के 75वें जन्मदिवस पर छत्तीसगढ़ ने सामाजिक सुधार की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि दर्ज की है। सूरजपुर जिले की 75 ग्राम पंचायतों को बाल विवाह मुक्त ग्राम पंचायत घोषित किया गया है। विगत दो वर्षों में इन पंचायतों में बाल विवाह का एक भी प्रकरण दर्ज न होने के आधार पर यह मान्यता प्रदान की गई।

इस उपलब्धि के पीछे राज्य की महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े की सतत पहल, सक्रिय मार्गदर्शन और नेतृत्व को निर्णायक माना जा रहा है।उनके नेतृत्व में विभाग ने गाँव-गाँव तक जागरूकता अभियान चलाया, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और पंचायत प्रतिनिधियों को सक्रिय किया तथा समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित की। श्रीमती राजवाड़े ने कहा, कि सूरजपुर जिले की यह पहल केवल छत्तीसगढ़ ही नहीं बल्कि पूरे देश के लिए प्रेरणा का कार्य करेगी। प्रधानमंत्री जी के अमृत महोत्सव वर्ष में यह उपलब्धि समाज में सकारात्मक बदलाव की दिशा में एक सशक्त संदेश है।

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ की बड़ी उपलब्धि सामुदायिक भागीदारी की सराहना- जिला प्रशासन ने इस पहल की सफलता में महिला एवं बाल विकास विभाग, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों और स्थानीय समुदाय की संयुक्त भूमिका की सराहना की। सभी के सामूहिक प्रयास से यह सुनिश्चित हुआ कि शिक्षा और जागरूकता को प्राथमिकता मिले और कोई भी बाल विवाह न हो।

महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ की बड़ी उपलब्धि- गौरतलब है कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में 10 मार्च 2024 को बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान की शुरुआत हुई थी। यह अभियान यूनिसेफ के सहयोग से और मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के मार्गदर्शन में संचालित किया जा रहा है।राज्य सरकार ने बाल विवाह उन्मूलन को सर्वोच्च प्राथमिकताओं में रखा है और विभाग लगातार जनजागरूकता, निगरानी और सामाजिक सहभागिता को मजबूत कर रहा है।

सूरजपुर की इस सफलता से प्रेरित होकर अब छत्तीसगढ़ के अन्य जिलों में भी पंचायतों और नगरीय निकायों को बाल विवाह मुक्त घोषित करने की प्रक्रिया शुरू की गई है। जिन जिलों में विगत दो वर्षों में बाल विवाह का कोई मामला दर्ज नहीं हुआ है, वहां शीघ्र ही प्रमाणपत्र प्रदान किए जाएंगे।

मां से ही संपूर्ण सृष्टि का आधार, प्रसव के दौरान माताओं की मौत सभी के लिए दुख की बात : श्री श्याम बिहारी जायसवाल

रायपुर। देश में 17 सितंबर से लेकर 2 अक्टूबर तक स्वस्थ नारी, सशक्त परिवार अभियान का संचालन किया जा रहा है। इसी अभियान के अंतर्हत छत्तीसगढ़ में स्वास्थ्य विभाग, महिला बाल विकास विभाग और यूनिसेफ के द्वारा संयुक्त रूप से छत्तीसगढ़ की महतारी, हम सबकी जिम्मेदारी अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान को लेकर शुक्रवार को दो दिवसीय कार्यशाला की शुरूआत की गयी। स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कार्यशाला के पहले दिन उपस्थित लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि मां से ही संपूर्ण सृष्टि का आधार होता है। ऐसे में प्रसव के दौरान किसी माता की मौत हम सभी के लिए दुख की बात होती है। उन्होंने कहा कि राज्य गठन के समय छत्तीसगढ़ में मातृ मृत्यु की दर 365 थी जो वर्तमान में घटकर 141 हो चुकी है। इसी तरह से राज्य गठन के वक्त शिशु मृत्यु दर 79 थी जो अब 38 हो चुकी है। श्री जायसवाल ने कहा कि राज्य में स्वास्थ्य सुविधाएं लगातार बढ़ रही हैं और हमारा लक्ष्य है कि आने वाले समय में ये शिशु और मातृ मृत्यु दर शून्य हो जाएं। स्वास्थ्य मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि स्वस्थ छत्तीसगढ़ से ही स्वस्थ भारत बनेगा और देश को विकसित बनाने में स्वास्थ्य की अहम भूमिका होगी। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य कार्यकर्ता, मितानिन और महिला बाल विकास विभाग की बहनों के संयुक्त प्रयास से आने वाले समय में राज्य के स्वास्थ्य आंकड़ों में सुधार जरूर आएगा। इस मौके पर आयुक्त सह संचालक स्वास्थ्य सेवाएं डॉ. प्रियंका शुक्ला ने कहा कि राज्य सरकार ने मातृ स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता में रखते हुए छत्तीसगढ़ की महतारी, हम सबकी जिम्मेदारी नामक विशेष अभियान की शुरुआत की है। इस अभियान के माध्यम से न केवल माताओं को समय पर और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करने पर बल दिया जा रहा है, बल्कि राज्य के उन 30 विकासखंडों पर विशेष ध्यान केंद्रित किया गया है जहाँ मातृ मृत्यु दर सबसे अधिक है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का मानना है कि उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की समय रहते पहचान और उनकी सतत निगरानी आवश्यक है। इसके साथ ही, सुरक्षित संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने और इसकी दिशा में सभी आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने को लेकर सरकार पूरी तरह से प्रतिबद्ध है। गौरतलब है कि राज्य सरकार द्वारा विकसित स्टैंडर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर (SOP) का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है और मातृ स्वास्थ्य सेवाओं की प्रगति की नियमित समीक्षा और निगरानी की जा रही है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 नवभारत के निर्माण की आधारशिला : उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंक राम वर्मा

रायपुर। पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय, रायपुर में आज राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 पर आधारित एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का आयोजन मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर एवं एनईपी इम्प्लीमेंटेशन सेल द्वारा किया गया। राष्ट्रीय शिक्षा नीति शिक्षा और रोजगार में सेतु का कार्य करेगी उच्च शिक्षा मंत्री श्री टंक राम वर्मा ने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को भारत के भविष्य की दिशा और दशा तय करने वाला एक क्रांतिकारी कदम बताया। यह नीति 21वीं सदी के नवभारत की आधारशिला मानी जा रही है, जिसका उद्देश्य वर्ष 2047 तक भारत को विकसित, सक्षम और श्रेष्ठ राष्ट्र के रूप में स्थापित करना है। मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि शिक्षा नीति के प्रथम चरण में हम प्रवेश कर चुके हैं और इसे सफल बनाने के लिए सामूहिक प्रयास आवश्यक हैं। यह नीति केवल ज्ञान तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों को नैतिक, मानसिक, भावनात्मक और तकनीकी दृष्टि से भी सशक्त बनाएगी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के मुख्य उद्देश्य गुणवत्ता, समानता, समावेशिता और सुलभता सुनिश्चित करना है।

नीति के तहत पाठ्यक्रमों का पुनर्गठन, विषयों के बीच समन्वय, और शिक्षक प्रशिक्षण एवं शोध को बढ़ावा देने पर विशेष बल दिया जा रहा है। साथ ही उद्योग और शिक्षा की भागीदारी को प्रोत्साहित कर युवाओं को कौशल विकास और आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ाया जाएगा। मंत्री श्री वर्मा ने कहा कि सरकार ने प्राध्यापकों की कमी दूर करने के लिए 700 पदों की स्वीकृति दी है। डिजिटल संसाधन, प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय और ई-लर्निंग सुविधाओं के विस्तार पर भी कार्य हो रहा है। मातृभाषा और स्थानीय सांस्कृतिक संदर्भों को पाठ्यक्रम में शामिल करने पर विशेष जोर दिया जा रहा है। विषयों की कठोर सीमाओं को समाप्त कर लचीलापन प्रदान करने के साथ ही विद्यार्थियों को सीखने की स्वतंत्रता प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि भारतीय ज्ञान परंपरा और सांस्कृतिक विविधता को संरक्षित करना। आधुनिक तकनीक और रोजगारपरक शिक्षा को प्रोत्साहन देगी। उच्च शिक्षा विभाग द्वारा टास्क फोर्स का गठन किया गया है, जो समयबद्ध योजना बनाकर प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयों में नीति के प्रावधानों को लागू करने की दिशा में कार्य कर रही है।

छत्तीसगढ़ के राष्ट्रीय राजमार्ग बन रहे ग्रीन कॉरिडोर : एनएचएआई ने इस साल लगाए 2.71 लाख पौधे

रायपुर। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) जहां एक ओर देश में सड़कों का जाल बिछा रहा है, वहीं दूसरी ओर राजमार्गों के किनारों और डिवाइडर्स पर पौधे लगाकर ग्रीन कॉरिडोर भी तैयार कर रहा है। भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने 'एक पेड़ माँ के नाम 2.0' अभियान के तहत इस साल छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय राजमार्गों के किनारे और डिवाइडर्स पर दो लाख 71 हजार से ज्यादा पौधे लगाकर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। राष्ट्रीय राजमार्गों के विस्तार के साथ-साथ प्राधिकरण उन्हें 'ग्रीन कॉरिडोर' में भी बदल रहा है।

मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में 'एक पेड़ माँ के नाम 2.0' अभियान छत्तीसगढ़ में हरियाली, स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण की नई दिशा दे रहा है। राष्ट्रीय राजमार्गों पर दो लाख 71 हजार से अधिक पौधे रोपित होना इस बात का प्रमाण है कि सड़क निर्माण केवल विकास की आधारशिला नहीं, बल्कि भावी पीढ़ियों के लिए स्वच्छ वायु और हरित जीवन का भी संकल्प है। राष्ट्रीय राजमार्ग से छत्तीसगढ़ में नागरिकों को तरक्की की राह के साथ ही हरियाली की छांव भी मिल रही है। उन्होंने कहा कि ग्रीन कॉरिडोर का यह प्रयास छत्तीसगढ़ को न केवल यातायात सुविधा में बल्कि पर्यावरणीय संतुलन में भी देश के अग्रणी राज्यों में स्थापित करेगा।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ के राष्ट्रीय राजमार्गों में भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के महत्वाकांक्षी 'एक पेड़ माँ के नाम 2.0' अभियान के अंतर्गत इस साल निर्धारित लक्ष्य से अधिक वृक्षारोपण किया है। रायपुर-विशाखापट्टनम (NH-130CD) परियोजना में सर्वाधिक 97 हजार 145 पौधे लगाए गए हैं। इसके बाद महाराष्ट्र सीमा-दुर्ग-रायपुर-ओडिशा सीमा (NH-53) पर 46 हजार 141 पौधे, चांपा-कोरबा-कटघोरा (NH-149B) मार्ग पर 23 हजार 020 पौधे, बिलासपुर-कटघोरा (NH-130) मार्ग पर 16 हजार 847 पौधे, बिलासपुर-उरगा-पत्थलगांव (NH-130) मार्ग पर 14 हजार 400 पौधे तथा सिमगा-रायपुर-धमतरी (NH-30) परियोजना में 5406 पौधे रोपे गए हैं।

राष्ट्रीय राजमार्गों के डिवाइडर्स पर मीडियन प्लांटेशन के रूप में पौधे लगाए गए हैं, जबकि किनारों पर एवेन्यू प्लांटेशन के रूप में पौधरोपण किया गया है। इनमें काफी संख्या में बड़े फलदार और छायादार वृक्ष भी शामिल हैं। नए इलाकों में पौधरोपण के साथ ही पिछले वर्षों में क्षतिग्रस्त हुए पौधों को बदलने के लिए 68 हजार 297 जगहों पर रिप्लांटेशन भी किया गया है।

संग्रहालय के निर्माण कार्य का प्रतिदिन निरीक्षण कर रिपोर्ट देने के दिए गए निर्देश

शहीद वीर नारायण सिंह संग्रहालय के निर्माण कार्य का प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा द्वारा निरीक्षण

रायपुर। नवा रायपुर में आदिम जाति अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान के समीप निर्माणाधीन शहीद वीर नारायण सिंह आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय का आज प्रमुख सचिव श्री सोनमणि बोरा द्वारा निरीक्षण किया गया। उन्होंने कहा कि यह बहुत ही गर्व की बात है कि संग्रहालय का लोकार्पण देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कर कमलों से राज्योत्सव के समय किया जाना है। अत: इसके निर्माण कार्य में किसी प्रकार की कोताही नहीं होनी चाहिए। संग्रहालय का कार्य किसी भी स्थिति में 30 सितंबर तक पूर्ण हो जाना चाहिए तथा शेष फिनिशिंग कार्य अक्टूबर के पहले हफ्ते में पूरा कर लिया जाए। साथ ही सभी कार्य पूर्ण गुणवत्ता के साथ सभी मानकों के अनुरूप होना चाहिए। निरीक्षण के दौरान उनके साथ आयुक्त डॉ. सारांश मित्तर, टीआरटीआई संचालक श्रीमती हिना अनिमेष नेताम, उपायुक्त श्रीमती गायत्री नेताम, निर्माण एजेंसी के अधिकारी, क्यूरेटर, इंजीनियरर्स, आर्ट कलाकार एवं अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

प्रमुख सचिव श्री बोरा ने कड़े लहजे में निर्देश दिए कि संग्रहालय में लगने वाली मूर्तियां, कैनवास वर्क, डिजिटल वर्क एवं अन्य सभी लंबित कार्यों को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण गुणवत्ता के साथ पूरा कर लिया जाए अन्यथा संबंधित पर कड़ी अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने संग्रहालय में प्रवेश से पूर्ण टिकट काउंटर पर लगे स्कैनिंग कार्य को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए एवं अगले निरीक्षण से पूर्व इसके वर्किंग स्थिति में आ जाने के निर्देश दिए। संग्रहालय के प्रवेश द्वार के संबंध में कुछ सुधार करने के निर्देश दिए गए। संग्रहालय के चारों ओर बड़े अक्षरों में संग्रहालय का नाम लिखे जाने के निर्देश दिए गए ताकि दूर से ही संग्रहालय की जानकारी आमजन को मिल सके। उन्होंने संग्रहालय में अच्छा सेल्फी प्वाइंट बनाने के निर्देश दिए। साथ ही प्रोजेक्शन वर्क को शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। गैलरी के निरीक्षण के दौरान उसमें लगने वाली लाइट के संबंध में आवश्यक सुधार करने के निर्देश दिए गए। प्रत्येक गैलरी में बनाई गई जीवंत झांकी के सामने स्कैनर लगाने के निर्देश दिए गए ताकि कोई भी आगतुंक उसे स्कैन करके अपने मोबाइल पर उससे संबंधित जानकारी आसानी से प्राप्त कर सके। उन्होंने आयुक्त डॉ.सारांश मित्तर एवं संचालक, टीआरटीआई श्रीमती हिना अनिमेष नेताम को संग्रहालय का प्रतिदिन निरीक्षण कर अद्यतन स्थिति से अवगत कराने के निर्देश दिए।

किसी भी प्रकार की कोई समस्या हाने पर उन्हें तत्काल इसकी जानकारी दी जाए ताकि अविलंब इसका समाधान किया जा सके। इससे पूर्व आयुक्त डॉ.सारांश मित्तर द्वारा भी निर्माण कार्य में होने वाले विलम्ब एवं फिनिशिंग कार्य की गुणवत्ता को लेकर निर्माण एजेंसी के ठेकेदार एवं क्यूरेटर से नाराजगी व्यक्त की गई एवं इसे शीघ्र सुधारने के निर्देश दिए गए। प्रमुख सचिव श्री बोरा ने संग्रहालय में डिजीटलीकरण कार्य, दिव्यांगजनों हेतु पृथक पार्किंग व्यवस्था, सॉवेनियर शॉप, गार्डनिंग, वॉटर सप्लाई की स्थिति को मौके पर निरीक्षण कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश का यह पहला संग्रहालय है जो कि छत्तीसगढ़ के आदिवासी स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के उच्च शौर्य एवं बलिदान को समर्पित है अत: इसके निर्माण कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा संग्रहालय के निर्माण में किसी भी प्रकार की कोई वित्तीय अनियमितता ना हो, इसका पूरा ध्यान रखा जाना चाहिए। उल्लेखनीय है कि शहीद वीर नारायण सिंह संग्रहालय में स्वतंत्रता आंदोलन के समय छ.ग. में हुए विभिन्न आदिवासी विद्रोहों जैसे - हल्बा विद्रोह, सरगुजा विद्रोह, भोपालपट्टनम विद्रोह, परलकोट विद्रोह, तारापुर विद्रोह, लिंगागिरी विद्रोह, कोई विद्रोह, मेरिया विद्रोह, मुरिया विद्रोह, रानी चौरिस विद्रोह, भूमकाल विद्रोह, सोनाखान विद्रोह, झण्डा सत्याग्रह एवं जंगल सत्याग्रह के वीर आदिवासी नायकों के संघर्ष (1923, 1920) एवं शौर्य के दृश्य का जीवंत प्रदर्शन किया गया है।

संक्षिप्त समाचार

रायपुर में म्यूज़िकल नाइट: जस और भानु मिश्रा देंगे लाइव परफॉर्मेंस

रायपुर। राजधानी के संगीत प्रेमियों के लिए खुशखबरी है। पंजाबी म्यूज़िक इंडस्ट्री के मशहूर सिंगर जस और रायपुर के लोकप्रिय कलाकार भानु मिश्रा एक ही मंच पर श्रोताओं को झूमने पर मजबूर करने आ रहे हैं।

यह खास कार्यक्रम एक शाम सिंगर जस और भानु मिश्रा के नाम का आयोजन 20 सितंबर, शनिवार को नवा रायपुर के Elsewhere में किया जाएगा।

कार्यक्रम की शुरुआत रायपुर के सुप्रसिद्ध Qarwaan Safar-e-Sufi Band (लीडः भानु मिश्रा) के ओपनिंग एक्ट से होगी। इसके बाद जस अपने सुपरहिट गाने सुनिया सुनिया, तू जो मिलेया, तेरा मेरा सफर और कई अन्य गीतों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेंगे।

यह लाइव कंसर्ट Leaf Entertainment और The Art Curator के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। आयोजक टीम के अनुसार, कार्यक्रम को लेकर लोगों में खासा उत्साह है और व्यापक प्रचार-प्रसार किया जा रहा है।

कार्यक्रम में शामिल होने के लिए पास 9981364996 पर संपर्क कर प्राप्त किए जा सकते हैं।

CGPSC घोटाला: पूर्व परीक्षा नियंत्रक आरती वासनिक समेत 5 गिरफ्तार

रायपुर। छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग (CGPSC) घोटाले में केंद्रीय जांच ब्यूरो (CBI) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए आयोग की पूर्व परीक्षा नियंत्रक आरती वासनिक सहित पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में डिप्टी कलेक्टर पद पर चयनित और पूर्व सचिव के बेटे सुमित ध्रुव, निशा कोसले, दीपा आदिल और जीवन किशोर ध्रुव शामिल हैं। गौरतलब है कि बीते माह छत्तीसगढ़ लोक सेवा परीक्षा-2021 में चयनित निर्दोष अभ्यर्थियों को बिलासपुर हाईकोर्ट ने राहत दी थी। कोर्ट ने कहा था कि जिन उम्मीदवारों का नाम सीबीआई चार्जशीट में नहीं है और जिन पर कोई आपत्ति नहीं मिली है, उन्हें दो माह के भीतर नियुक्ति पत्र जारी किया जाए। साथ ही निर्देश दिया गया था कि 10 मई 2024 तक की वैधता अवधि में नियुक्तियां पूरी कर ली जाएं।

क्या है मामला- CGPSC ने 26 नवंबर 2021 को 171 पदों के लिए विज्ञापन जारी किया था, जिनमें डिप्टी कलेक्टर, डीएसपी, नायब तहसीलदार, जेल अधीक्षक और लेखाधिकारी जैसे अहम पद शामिल थे। परीक्षा परिणाम 11 मई 2023 को जारी हुए, लेकिन गड़बड़ी के आरोप सामने आने के बाद नियुक्तियों पर रोक लगा दी गई। जांच में सामने आया कि कुछ पदाधिकारियों और उनके रिश्तेदारों का चयन विवादों में रहा। मामला कोर्ट पहुंचा और जांच का जिम्मा CBI को सौंपा गया। इसके चलते सभी चयनित अभ्यर्थियों की नियुक्तियां अटक गईं। निर्दोष अभ्यर्थियों ने कोर्ट में गुहार लगाई कि वे पूरी तरह पात्र हैं, फिर भी उन्हें नियुक्ति नहीं दी जा रही। अब CBI की ताजा कार्रवाई के बाद घोटाले की जांच और तेज हो गई है।

30 दिन बाद खत्म होगी NHM कर्मचारियों की हड़ताल, आज हो सकता है बड़ा ऐलान...

अधिकांश मांगों पर बनी सहमति, स्वास्थ्य मंत्री कर सकते हैं घोषणा

रायपुर। लंबे समय से हड़ताल पर बैठे राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) कर्मचारियों को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। बताया जा रहा है कि आज दोपहर हड़ताल खत्म हो सकती है। सूत्रों के मुताबिक, सरकार और कर्मचारियों के बीच अधिकांश मांगों पर सहमति बन चुकी है और स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल आज दोपहर इसकी औपचारिक घोषणा कर सकते हैं। एनएचएम कर्मचारी पिछले 30 दिनों से अपनी 10 सूत्रीय मांगों को लेकर प्रदर्शन कर रहे थे। इनमें से लगभग 5 मांगों पर सहमति बन चुकी है और सरकार ने आदेश भी जारी कर दिए हैं। इसी आधार पर कर्मचारियों ने हड़ताल खत्म करने का फैसला लिया है और आज से काम पर लौटने का ऐलान कर सकते हैं। गौरतलब है कि स्वास्थ्य सचिव अमित कटारिया ने हाल ही में सभी जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारियों (CMHO) को सख्त निर्देश दिए थे कि जो कर्मचारी ड्यूटी पर वापस नहीं लौटे, उन्हें तत्काल प्रभाव से बर्खास्त किया जाए। गुरुवार देर रात 11:30 बजे उन्होंने व्हाट्सऐप ग्रुप में संदेश भेजकर आदेश दिया था कि सभी CMHO शुक्रवार तक खाली पदों की सूची तैयार करें ताकि जरूरत पड़ने पर तुरंत नई भर्ती की प्रक्रिया शुरू की जा सके। अब जबकि सरकार और कर्मचारियों के बीच बातचीत आगे बढ़ चुकी है, उम्मीद जताई जा रही है कि आज दोपहर हड़ताल आधिकारिक रूप से समाप्त हो जाएगी।

संपादकीय

विधानमंडल का अंग राज्यपाल

सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि राज्यपालों को राज्य सरकारों के लिए सच्चे मार्गदर्शक और दार्शनिक के रूप में कार्य करना चाहिए। मुख्य न्यायाधीश के नेतृत्व में पांच न्यायाधीशों वाली राष्ट्रपति संदर्भ पीठ द्वारा केरल सरकार से सहमति व्यक्त की गई कि दोनों संवैधानिक प्राधिकारियों के बीच कार्य संबंध सहयोगात्मक होने चाहिए। केरल ने अदालत को बताया कि राज्यपाल के समक्ष प्रस्तुत आठ विधेयक सात से तेईस महानों तक लंबित रहे। दस दिन तक दलीलें सुनने के बाद शीर्ष अदालत ने अपना फैसला बहरहाल सुरक्षित रख लिया। केंद्र की तरफ से जवाब में कहा गया कि अनुच्छेद 200 के प्रावधान एक के तहत लौटाए गए विधेयक के साथ राज्यपाल का संदेश पुनर्विचार के दायरे को तय करेगा जिस पर मूल विधेयक संख्या अंकित होगी। आरोप है कि वे बगैर संदेश के इसे अंतहीन तौर पर रोके रहते हैं। बेशक, राज्यपाल को संवैधानिकता की जांच करने का अधिकार है, मगर अधिनियम बन जाने के बाद भी यह न्यायिक समीक्षा के लिए खुला होगा। राज्यपाल अक्सर केंद्र सरकार के इशारे पर काम करते हैं। इन आरोपों-प्रत्यारोपों पर लगाम कसना टेढ़ी खीर है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुमरू द्वारा अनुच्छेद 143 के तहत अदालत से मांगी गई राय के बाद यह बहस तेज हो गई। मुख्य न्यायाधीश ने स्पष्ट कहा कि न्यायिक सक्रियता को न्यायिक आतंकवाद में नहीं बदलना चाहिए। यदि लोकतंत्र का एक पक्ष कर्तव्य निर्वहन करने में विफल रहता है तो संविधान का संरक्षक न्यायालय शक्तिहीन होकर निष्क्रिय नहीं रह सकता। कहना गलत नहीं कि राज्यपाल के काम पर शीर्ष अदालत का परमादेश जारी करना उचित नहीं ठहराया जा सकता। मगर विपक्षी दलों की सरकारों की असहमतियों की सुनवाई की अनदेखी भी न्यायोचित नहीं है। राज्यपाल विधानमंडल का अंग है, जिनकी सहमति विधायी प्रक्रिया का हिस्सा है। कानून बनाने में राज्यपालों की सहमति महत्त्वपूर्ण चरण है पर सैद्धांतिक सहमति की आवश्यकता भी कम महत्त्व नहीं रखती। उन परिस्थितियों को लेकर व्यवस्था देनी जरूरी है, जहां स्थिति खतरनाक हो रही हो या मध्य मार्ग स्पष्ट होता न दिख रहा हो। राज्यपालों की भूमिका रोजमर्रा के प्रावधानों में महत्त्व नहीं रखती। उन्हें नियंत्रण के साथ संतुलन बनाने के प्रति निष्पक्ष, चैतन्य और सतर्क दिखना चाहिए।

राजनीति में परिवार बाद हमेशा रहा है और रहेगा, यह एक कड़वी सच्चाई है

अजय दीक्षित

राजनीति में परिवारवाद हमेशा से जटिल विषय रहा है। जवाहरलाल नेहरू, श्रीमती इंदिरा गांधी, राजीव गांधी,राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, तमिलनाडु में करुणानिधि के पुत्र एम के स्टालिन, कर्नाटक में यदुरप्पा के पुत्र भाजपा अध्यक्ष हैं, डॉ चिन्ना रेड्डी के रेवंत रेड्डी, जगन मोहन रेड्डी, मोरोशिली मारन के दयानिधि मारन, कनिमोझी, चंद्रशेखर राव की कविता राव, एन टी रामाराव के चंद्रबाबू नायडू, एस पुरुंदरई, पश्चिमी बंगाल में ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी, ओडिशा में बीजू पटनायक के नवीन पटनायक, शिबू सोरेन के पुत्र मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन, लालू प्रसाद यादव के तेजस्वी यादव, मीसा भारती, हिमाचल प्रदेश में प्रेम कुमार धूमल के अनुराग ठाकुर , दिल्ली के मुख्यमंत्री रहे साहिब सिंह वर्मा ने अपने पुत्र प्रवेश वर्मा , राजस्थान में राजेश पायलट,के पुत्र सचिन पायलट, वसुंधरा राजे के पुत्रदुष्यंत सिंह सांसद, राजमाता विजयराजे सिंधिया के ज्योतिरादित्य सिंधिया ,स्व माधवराव सिंधिया, नरेंद्र सिंह तोमर के पुत्र देवेंद्र प्रताप सिंह,भेरूलाल पाटीदार की कविता पाटीदार, नागर सिंह चौहान के पत्नी मप्र में अनीता चौहान सांसद हैं, महाराष्ट्र में बालासाहब ठाकरे के पुत्र उद्धव ठाकरे,राज ठाकरे, सहित अन्य सभी नेताओं के पुत्र पुत्रियां,दामाद,अब नाती पंती ऐसे नाम हैं जो परिवार बाद के प्रतीक हैं। जिसमें चंद्रबाबू नायडू, तेजस्वी यादव, उद्धव ठाकरे, राहुल गांधी, समाजवादी पार्टी के नेता अखिलेश यादव,नवीन पटनायक, अभिषेक बनर्जी, हेमंत सोरेन, स्टालिन, सुखविंदर सिंह बादल, दुष्यंत चौटाला, उमर अब्दुला,सुप्रिया सुले, अजीत पंवार, डी कुमारस्वामी , गौरव गोगोई,तो बकायदा प्रजा तंत्र में पार्टियों के मालिक है। मायावती ने अपने भतीजे आनंद को पार्टी का अगला मुखिया बना दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इस परिवार बाद के बहुत खिलाफ हैं और उन्होंने भारतीय जनता पार्टी में इस परिवारवाद के खिलाफ अभियान चलाया हुआ है।उनकी ही ताकत है कि बसुधरा राजे के पुत्र सांसद होकर केंद्रीय मंत्री नहीं हैं। अनुराग ठाकुर , पंकज सिंह, मंत्री नहीं बने हैं। मप्र के मुख्यमंत्री मोहन यादव, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस,असम के मुख्यमंत्री हेमंत शर्मा, उत्तराखंड के मुख्यमंत्री धामी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, साधारण परिवारों से है । भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था में अगर परिवार बाद का जीता जगता उदाहरण है तो वह नेहरू,गांधी परिवार, स्व मुलायम सिंह यादव का परिवार पीछे नहीं है। नेहरू गांधी परिवार में से तीन प्रधानमंत्री, अनगिनत केंदीय मंत्री, सांसद,रहे हैं। जय प्रकाश नारायण, चंद्रशेखर, वी पी सिंह, कर्पूरी ठाकुर, के कामराज, सरदार पटेल, निजलिंगप्पा, एस नंबूदरीपाद, जयललिता, गोविंद बल्लभ पंत, मदनलाल खुराना, अटल बिहारी वाजपेई, लालकृष्ण आडवाणी,दीनदयाल उपाध्याय, श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, शांताकुमार, कुशाभाऊ ठाकरे, सुंदर सिंह भंडारी, प्रताप सिंह काइरो, बेनीप्रसाद वर्मा, जनेश्वर मिश्र, आदि ऐसे राजनीतिक नेता रहे जिन्होंने अपने परिवार को राजनीत से बाहर रखा है। लेकिन ललित नारायण मिश्र,ने जगन्नाथ मिश्र, हेमबतिनंदन बहुगुणा ने अपनी पुत्री रीता बहुगुणा जोशी, राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री हरदेव जोशी ने सी पी जोशी , जम्मू कश्मीर में शेख अब्दुल्ला ने फारुख अब्दुला और अब उमर अब्दुला मुख्यमंत्री है।इसी प्रकार मप्र के मुख्यमंत्री कैलाश जोशी ने दीपक जोशी, और सुंदरलाल पटवा ने सुरेंद्र पटवा,कैलाश सारंग ने विश्वास सारंग को आगे बढ़ाया। भारत में लोकतांत्रिक व्यवस्था में इतने बड़े देश में परिवारवाद के कारण कई राजनीतिक दलों में कार्यकर्ताओं की अनदेखी कर दी जाती है।

नवरात्रि का संदेश : नारी सशक्तीकरण

डॉ. सौरभ मालवीय

भारतीय पर्व हमारी सांस्कृतिक विरासत के प्रतीक हैं। इनसे हमें ज्ञात होता है कि हमारी प्राचीन संस्कृति कितनी विशाल, संपन्न एवं समृद्ध है। यदि नवरात्रि की बात करें तो यह पर्व भी भारतीय संस्कृति की महानता को दर्शाता है। विगत कुछ दशकों से देश में महिला सशक्तीकरण की बात हो रही है। कुछ लोग विदेशों के उदाहरण देते हैं कि वहां की महिलाएं सशक्त हैं तथा उन्हें बहुत से अधिकार प्राप्त हैं। किंतु ये लोग अपने देश के इतिहास पर चिंतन एवं मनन नहीं करते हैं। वास्तव में भारत विश्व का एकमात्र ऐसा देश है, जहां महिलाओं को पुरुषों के समान माना गया है। उदाहरण के लिए भारत में देवियों की पूजा-अर्चना की जाती है। यहां पर उन्हें भी देवताओं के समान ही पूजा जाता है, अपितु देवियों का स्थान देवता से पहले आता है जैसे राधा कृष्ण, सीता राम आदि। भगवान शिव के साथ देवी पार्वती की भी पूजा की जाती है। भगवान राम के साथ देवी सीता की पूजा की जाती है । हमारी मान्यता के अनुसार शक्ति की देवी दुर्गा है। धन एवं समृद्धि की देवी लक्ष्मी है तथा ज्ञान की देवी सरस्वती है। कहने का अभिप्राय यह है कि मनुष्य को जीवन में जिन वस्तुओं की आवश्यकता होती है, वह सब उन्हें इन देवियों से ही तो प्राप्त होती हैं। मानव जीवन को अनुशासन में रखने एवं आदर्श जीवन को स्थापित करने के लिए भगवान हमारे विश्वास और श्रद्धा के केंद्र है।

नवरात्रि देवी दुर्गा को समर्पित एक महत्वपूर्ण पर्व है। नवरात्रि का पर्व वर्ष में चार बार आता है अर्थात चैत्र, आषाढ़, अश्विन, माघ। इनमें से चैत्र एवं आश्विन माह में आने वाली नवरात्रि अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है। माघ एवं आषाढ़ माह में आने वाली नवरात्रि को गुप्त नवरात्रि कहा जाता है, क्योंकि इनमें कोई सार्वजनिक उत्सव का आयोजन नहीं किया जाता है। आश्विन माह में आने वाली नवरात्रि को शारदीय नवरात्रि कहा जाता है। इसका आरंभ अश्विन मास के शुक्ल पक्ष की प्रथम तिथि से होता है। इस दिवस पर शुभ मुहूर्त में कलश की स्थापना की जाती है। नवरात्रि में नौ दिन देवी दुर्गा के नौ रूपों की पूजा-अर्चना की जाती है।

प्रथमं शैलपुत्री च द्वितीयं ब्रह्मचारिणी।
तृतीयं चन्द्रघण्टेति कूष्माण्डेति चतुर्थकम्।।
पंचमं स्कन्दमातेति षष्ठं कात्यायनीति च।
सप्तमं कालरात्रीति महागौरीति चाष्टमम्।।
नवमं सिद्धिदात्री च नवदुर्गाः प्रकीर्तिताः।
उक्तान्येतानि नामानि ब्रह्मणैव महात्मनः।।

अर्थात देवी पहली शैलपुत्री, दूसरी ब्रह्मचारिणी, तीसरी चंद्रघंटा, चौथी कूष्मांडा, पांचवी स्कंध माता, छठी कात्यायिनी, सातवीं कालरात्रि, आठवीं महागौरी एवं नौवीं देवी सिद्धिदात्री है।

शैलपुत्री : नवरात्रि के प्रथम दिन देवी दुर्गा के प्रथम स्वरूप मां शैलपुत्री की पूजा-अर्चना की जाती है। मां शैलपुत्री को सफेद वस्तुएं अत्यंत प्रिय हैं, इसलिए उन्हें सफेद मिष्ठान का भोग लगाया जाता है। यह प्रसाद गाय के शुद्ध घी से बनाया जाता है। सफेद रंग पवित्रता एवं शांति का प्रतीक माना जाता है। जीवन में सर्वाधिक पवित्रता एवं शांति का ही महत्व है। इनके बिना सब व्यर्थ है। देवी की साधना से सुख एवं समृद्धि में वृद्धि होती है।

ब्रह्मचारिणी : नवरात्रि के दूसरे दिन देवी देवी दुर्गा के द्वितीय स्वरूप मां ब्रह्मचारिणी की पूजा-अर्चना की जाती है। मां ब्रह्मचारिणी को शक्कर एवं पंचामृत का भोग लगाया जाता है। शक्कर जीवन में मिठास का प्रतीक है। जिस प्रकार भोजन में मिष्ठान का महत्व है, उसी प्रकार जीवन में मधुर वाणी का महत्व है। मृदु भाषी व्यक्ति सबका मन मोह लेते हैं। देवी की साधना से भाग्य में वृद्धि होती है तथा आयु भी लम्बी होती है।

चंद्रघंटा : नवरात्रि के तीसरे दिन देवी दुर्गा के तृतीय स्वरूप मां चंद्रघंटा की पूजा-अर्चना की जाती है। मां चंद्रघंटा को दुग्ध से बने मिष्ठान एवं खीर का भोग लगाया जाता है। खीर भी दुग्ध से बनाई जाती है। दुग्ध समृद्धि एवं अच्छे स्वास्थ्य का प्रतीक है। देवी की साधना से व्यक्ति बुरी शक्तियों से सुरक्षित रहता है।

कुष्मांडा : नवरात्रि के चौथे दिन देवी दुर्गा के चतुर्थ स्वरूप मां कुष्मांडा की पूजा-अर्चना की जाती है। मां कुष्मांडा को मालपुये का भोग लगाया जाता है। देवी की साधना से मनुष्य की समस्त इच्छाएं पूर्ण होती हैं।

स्कंदमाता : नवरात्रि के पांचवे दिन देवी दुर्गा के पांचवे स्वरूप स्कंदमाता की पूजा-अर्चना की जाती है। स्कंदमाता को फल विशेषकर केला अत्यंत प्रिय है, इसलिए उन्हें केले का भोग लगाया जाता है। देवी की साधना से सुख एवं एश्वर्य में वृद्धि होती है।

कात्यायनी : नवरात्रि के छठे दिन देवी दुर्गा के छठे स्वरूप मां कात्यायनी की पूजा-अर्चना की जाती है। मां कात्यायनी को मीठे पान एवं मधु का भोग लगाया जाता है। देवी की साधना से दुखों का नाश होता है तथा जीवन में सुख का आगमन होता है।

कालरात्रि : नवरात्रि के सातवें दिन देवी दुर्गा के सातवे स्वरूप मां कालरात्रि की पूजा-अर्चना की जाती है। मां कालरात्रि को गुड़ अत्यंत प्रिय है, इसलिए उन्हें गुड़ से बने व्यंजन का भोग लगाया जाता है। देवी की साधना से समस्त नकारात्मक शक्तियों का नाश होता है तथा सकारात्मकता में वृद्धि होती है। जीवन सुखी हो जाता है।

महागौरी : नवरात्रि के आठवें दिन देवी दुर्गा के आठवे स्वरूप मां महागौरी की पूजा-अर्चना की जाती है। मां महागौरी को नारियल अत्यंत प्रिय है, इसलिए उन्हें नारियल का भोग लगाया जाता है अर्थात नारियल अर्पित किया जाता है। देवी की साधना से व्यक्ति के रुके हुए कार्य पूर्ण होते हैं।

सिद्धिदात्री : नवरात्रि के अंतिम दिन देवी दुर्गा के नौवें स्वरूप मां सिद्धिदात्री की पूजा-अर्चना की जाती है। इस दिन कन्या पूजन का विधान है। कन्याओं की पूजा की जाती है। उन्हें भोजन ग्रहण कराया जाता है। इसके पश्चात उनके चरण स्पर्श कर उनसे आशीर्वाद लिया जाता है। कन्याओं को प्रसाद के साथ उपहार भेंट किए जाते हैं। तदुपरांत देवी को काले चने, हलवा पूड़ी एवं खीर का भोग लगाया जाता है। देवी की साधना से व्यक्ति के समस्त पापों का नाश होता है तथा उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है।

वास्तव में नवरात्रि का पर्व नारी शक्ति का उत्सव है। प्राचीन काल से ही यह पर्व भारतीय संस्कृति में नारी शक्ति का प्रतीक रहा है। कन्या पूजन इस बात को सिद्ध करता है कि भारतीय समाज में कन्या का महत्वपूर्ण स्थान रहा है। कन्या भ्रूण हत्या तथा नवजात कन्याओं का वध कर देने जैसी बुराइयां हमारे समाज में कब और कैसे सम्मिलित हो गईं, ज्ञात ही नहीं हो पाया। निरंतर घटता लिंगानुपात अत्यंत चिंता का विषय बना हुआ है। विदेशों में भारत की जिन बुराइयों का उल्लेख कुछ लोग बड़े गर्व के साथ करते हैं, वे बुराइयों तो हमारे समाज में कभी नहीं थीं। जिस समय विश्व के अधिकांश देश अशिक्षित एवं असभ्य थे, उस समय हमारा देश शिक्षा के क्षेत्र में अग्रणी था। पुरुष ही नहीं, अपितु महिलाएं भी शिक्षित थीं। वे शास्त्रार्थ करती थीं, अस्त्र-शस्त्र चलाती थीं। देवियों ने कितने ही राक्षसों का अकेले वध किया है।

नारी को ईश्वर ने श्रेष्ठ बनाया है। अनेक मामलों में वह पुरुष से उच्च स्थान पर है। वह जन्मदात्री है। जिस प्रकार एक स्त्री अपने बालकों का पालन-पोषण कर लेती है, उस प्रकार एक पुरुष उनका पालन-पोषण नहीं कर पाता। स्त्री पूरे परिवार का संचालन सुंदर तरीके से करती है। नारी संस्कार की जननी है उसके अंदर ममता, स्नेह, उदारता,आत्मीयता ,प्यार ,दुलार आदि गुण जीवन का हिस्सा है । ईश्वर ने नारी को अत्यंत सबल बनाया है। नारी प्रत्येक क्षेत्र में अपनी योग्यता एवं प्रतिभा का सफल प्रदर्शन कर रही है।

अमेरिका - भारत संबंध : एक समीक्षा

राकेश कुमार आर्य

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा प्रधानमंत्री मोदी को उनके जन्म दिवस पर फोन करना वैसे तो राजनीतिक शिष्टाचार में आता है और यह कोई बड़ी बात भी नहीं है, परंतु जिन परिस्थितियों के बीच डोनाल्ड ट्रंप ने प्रधानमंत्री से बातचीत करने का बहाना खोजा है, उनके मध्य दोनों राष्ट्र ङ्क अध्यक्षों के मध्य इस प्रकार की ' चर्चा' होना बहुत महत्वपूर्ण है।

हम सभी जानते हैं कि इस समय भारत और अमेरिका के संबंध नाजुक दौर से गुजर रहे हैं । रूस, चीन और भारत का एक साथ आना अमेरिकी राष्ट्रपति के लिए बहुत बड़ी चुनौती है। इससे वह हतप्रभ रह गए हैं। उन्होंने सपने में भी नहीं सोचा था कि अंतरराष्ट्रीय राजनीति में भारत इतनी बड़ी भूमिका में आ सकता है ? ङ्क जिससे अमेरिका ही अलग-थलग पड़ जाएगा। इसके परिणामस्वरुप अमेरिका में बहुत बड़ी संख्या में लोगों ने डोनाल्ड ट्रंप के विरुद्ध सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन किये हैं। उनकी असफल विदेश नीति के चलते लोगों ने उनसे त्यागपत्र देने की बात कही है।उनके अपने निकटस्थ लोगों ने भी भारत के साथ संबंधों में आई तल्खी को लेकर ट्रंप प्रशासन को सचेत किया है । पिछले दिनों यह चर्चा भी चलती रही कि अमेरिका के राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री मोदी से बातचीत करने का प्रयास किया ,परंतु प्रधानमंत्री मोदी ने उनका फोन नहीं उठाया। इन सब बातों के चलते यदि अब ट्रंप ने भारत के प्रधानमंत्री से उनके जन्मदिवस के अवसर पर टेलीफोन से बातचीत की है तो इसे ' बातचीत करने का एक बहाना ' मानना चाहिए। निश्चित रूप से इस समय उन्होंने एक ' विजेता प्रधानमंत्री' से बातचीत की है। जिसने अमेरिका को उसकी औकात बताने का साहस किया है। और पहली बार उसे अंतरराष्ट्रीय मंचों पर अलग-थलग कर देने में सफलता प्राप्त की है।

अमेरिका पर इस बात का भी नैतिक दबाव है कि भारत ने अपनी स्वतंत्र विदेश नीति का परिचय देते हुए इस समय रूस यूक्रेन युद्धविराम के लिए भी अपना समर्थन व्यक्त किया है। इसके साथ ही इसराइल से अपने बहुत ही भावपूर्ण संबंध होते हुए भी भारत ने फिलिस्तीन के समर्थन में अपना हाथ उठाया है। ऐसे में अमेरिका यह भली प्रकार जानता है कि भारत की स्वतंत्र विदेश नीति पर किसी प्रकार का दबाव नहीं बनाया जा सकता। फिर भी यह बात मानी जा सकती है कि राजनीति में आप किसी से भी बहुत देर ' कुट्टी' करके नहीं बैठ सकते। राजनीति में कुंठाओं के लिए स्थान नहीं होता। क्योंकि कुंठाएं राजनीतिक, सामाजिक और आर्थिक विकास की प्रक्रिया को बाधित करती हैं। संकीर्णताओं और कुंठाओं को त्यागकर उनसे ऊपर उठकर बातचीत का कूटनीतिक संवाद निरंतर स्थापित रखना पड़ता है। इस दृष्टिकोण से दोनों देशों के शासनाध्यक्षों का बातचीत करना सुखद है। हमने यह भी देखा है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने टैरिफ वार में जितना अधिक आक्रामक होकर भारत के बारे में अनाप-शनाप बका, उतना ही उनका राजनीतिक नुकसान हुआ। भारत ने अपनी कूटनीति के माध्यम से अमेरिकी राष्ट्रपति को धोकर रख दिया। इससे अमेरिकी राष्ट्रपति का बड़बोलापन उनके लिए स्वयं एक आफत बन गया। दोनों देशों के बीच शीर्ष स्तर पर संवाद स्थापित करने की ओर संकेत करते हुए अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने यह उम्मीद जताई है कि अंततः अमेरिका और भारत साथ आएंगे, क्योंकि यह वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। अब अमेरिकी राष्ट्रपति ने आशा व्यक्त की है कि दोनों देश अतीत की कड़वाहटों को बुलाकर भविष्य पर ध्यान केंद्रित करके अपने संबंधों का निर्धारण करेंगे। यह एक अच्छा संकेत है। जिससे स्पष्ट होता है कि अमेरिका भी अब यह भली प्रकार जान गया है कि वह 21वीं सदी के सशक्त भारत के साथ सम्मानपूर्ण ढंग से बातचीत करके ही उसकी मित्रता का लाभ ले सकता है। यहां पर यह बात भी ध्यान देने योग्य है कि अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने 10 सितंबर को ही यह वक्तव्य दिया था कि भारत अमेरिका व्यापार वार्ताओं की बाधाओं को दूर करने पर बातचीत जारी रखेंगे।

उनका यह वक्तव्य अमेरिका भारत संबंधों के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को प्रकट करता है। जिसमें उन्होंने स्पष्ट तो ये नहीं कहा कि भारत को लेकर उनसे कुछ भूल हुई है, जिसे वह सुधारना चाहते हैं , परंतु उनके वक्तव्य का एक अर्थ ऐसा भी हो सकता है। भारत की वैश्विक मंचों पर निरंतर उपयोगिता इसलिए भी बढ़ती जा रही है कि भारत के बारे में लोगों की स्पष्ट धारणा यह है कि यह देश युद्धोन्मादी देश नहीं है। यह शांति चाहता है और शांति की वास्तविक अवधारणा को स्थापित करने के लिए उसके पास एक स्पष्ट चिंतन है। अमेरिकी राष्ट्रपति भारत की इस गंभीर जिम्मेदारी को भली प्रकार जानते हैं। साथ ही वैश्विक मंचों पर भारत के प्रति लोगों की इस स्वाभाविक धारणा को भी जानते हैं। इसलिए वह भारत को खोना नहीं चाहते।

अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है। आईटी, सेवा क्षेत्र, ऊर्जा और तकनीकी निवेश में इन दोनों लोकतांत्रिक देशों के बीच गहरा सहयोग है। प्रधानमंत्री मोदी ने भी गतिरोध को स्थाई शत्रुता में परिवर्तित करने के संकेत न देकर नरमी का संकेत देकर अमेरिकी राष्ट्रपति को यह स्पष्ट किया है कि दोनों देशों की जन अपेक्षाओं का सम्मान करना उनका उद्देश्य है। यह इसलिए भी आवश्यक है कि दो देशों के शीर्षस्थ राजनीतिक व्यक्तित्वों के टकराव से इतिहास में अनेक बार भयंकर जनहानि हुई है। आज भी यूक्रेन के राष्ट्रपति की व्यक्तिगत अहंकारी भावना के कारण ही यूक्रेन युद्ध में टूट चुका है। इसलिए व्यक्तिगत अहंकार को सीमित रखकर राष्ट्रीय हितों को प्राथमिकता देकर काम करना राजनीति की अनिवार्यता होती है। हमें प्रत्येक देश से अपने राष्ट्रीय हितों का सम्मान करवाना आना चाहिए, अर्थात झुकती है दुनिया झुकाने वाला चाहिए। यदि कोई देश हमारे राष्ट्रीय हितों का सम्मान कर रहा है अर्थात आपके सामने झुक गया है या झुकने का संकेत दे दिया है या झुकने को तैयार हो गया है तो उससे आगे जाकर उस देश से शत्रुता माल लेना अच्छा नहीं है। हम सबके लिए यह बहुत ही अच्छी सूचना है कि भारत अमेरिका रक्षा सहयोग पिछले एक दशक में बहुत तेजी से बढ़ा है। अमेरिका ने भारत को महत्वपूर्ण रक्षा तकनीक उपलब्ध कराई है। हां, इतना अवश्य है कि वह पाकिस्तान को लेकर भारत के साथ दोरंगी चाल खेलता रहा है । पाकिस्तान को अपेक्षा से अधिक सहयोग और समर्थन देना अमेरिका की कूटनीति हो सकती है या उसकी विदेश नीति का एक अंग हो सकता है । परंतु यह भारत के लिए कभी स्वीकार्य नहीं हो सकता। इस बिंदु पर भारत को सदैव सतर्क रहने की आवश्यकता है। हमें जितना चीन से सावधान रहने की आवश्यकता है, उतना ही अमेरिका से भी सावधान रहने की आवश्यकता है। यद्यपि यह भी एक महत्वपूर्ण तथ्य है कि सुरक्षा परिषद में भारत की स्थाई सीट के लिए एक बार अमेरिका तैयार हो सकता है, परंतु चीन नहीं। इस दृष्टिकोण से भारत को अपनी विदेश नीति को अत्यंत सावधानी के साथ साधने की आवश्यकता है। हमें अपनी दूरगामी रणनीति और विदेश नीति को निर्धारित करते समय इस तथ्य का भी ध्यान रखना पड़ेगा।

नेपाल में जो कुछ भी हुआ है उसमें किन-किन शक्तियों का हाथ रहा है ? इससे रहस्य का पर्दा बहुत कुछ हट गया है। धीरे-धीरे जो शेष है, वह भी हट जाएगा। वहां पर ' मोदी ङ्क मोदी' के नारे लगे हैं। नेपाल को हिंदू राष्ट्र घोषित करने के समर्थन में भी नारे लगे हैं। इसके साथ ही वहां की नई प्रधानमंत्री श्रीमती कार्की द्वारा भी भारत के प्रति सहयोगी और मित्रता पूर्ण दृष्टिकोण व्यक्त किया गया है, किंतु इन सबका वास्तव में क्या अर्थ है ? यह देखना अभी शेष है। ये सभी नारे या गतिविधियां हवाई बातें भी हो सकती हैं और इनका कोई राजनीतिक अस्तित्व भी हो सकता है। राजनीति में विभ्रम पैदा करना भी कूटनीति का एक अंग होता है। वास्तविकता बहुत कुछ देर बाद जाकर स्पष्ट होती है। कहने का अभिप्राय है कि नेपाल की घटनाओं से हमें बहुत अधिक सतर्क रहना है। किसी प्रकार की भ्रांति नहीं पालनी है। हां, यदि नेपाल हिंदू राष्ट्र बनता है तो उसे हिंदू राष्ट्र बनाने में भारत को अपना सहयोग अवश्य देना चाहिए। नेहरू की उस मूर्खता को दोहराने की आवश्यकता नहीं है, जब उन्होंने 1947 में नेपाल के तत्कालीन महाराजा के नेपाल के भारत में विलय के प्रस्ताव को अस्वीकार कर दिया था। यदि आज की तारीख में नेपाल हिंदू राष्ट्र के रूप में ही भारत के साथ आना चाहता है तो भारत को इस कार्य में नेपाल की सहायता करनी चाहिए। यदि ऐसा होगा तो अमेरिका को एशियाई मामलों में हस्तक्षेप करने से दूर रखा जा सकेगा। इसके साथ ही नेपाल और भारत स्थाई रूप से एक साथ आकर काम करने पर सहमत हो सकेंगे। यदि नेपाल को हिंदू राष्ट्र घोषित किया जाता है और भारत उसमें अपना सहयोग देता है तो इससे चीन की वास्तविकता का भी पता चल जाएगा कि वह वास्तव में ही भारत के साथ मित्रता पूर्ण संबंध चाहता है या फिर उसकी सोच में कोई दोगलापन है ?

वैश्विक इस्लामिक आतंकवाद को लेकर अमेरिका भारत के साथ खड़ा हुआ दिखाई दिया है, परंतु इसी मुद्दे को लेकर जब भारत और पाकिस्तान में तनाव होता है तो अमेरिका दोगला हो जाता है। तब वह पाकिस्तान की ओर झुका हुआ दिखाई देता है। उसका यह दोगलापन अंतरराष्ट्रीय राजनीति में उसके चरित्र को उजागर कर देने के लिए पर्याप्त है। भारत को यह सोचना होगा कि अमेरिका चाहे कितना ही निकट आने का नाटक करे, परंतु उसका राजनीतिक दोगलापन उसके स्वभाव में सम्मिलित होने के कारण उसका ' राष्ट्रीय चरित्र' है। स्वभाव है। जिसमें परिवर्तन संभव नहीं है। यदि ऐसा है तो अमेरिकी राष्ट्रपति के इस टेलीफोन को एक अच्छा संकेत मानकर भी आप भविष्य के अमेरिका भारत संबंधों का एक निर्णायक मोड़ नहीं कह सकते। ज.मंजिल अभी दूर है। रास्ते में कितने ही उतार चढ़ाव आएंगे और ऊबड़खाबड़ रास्तों से कितने ही स्थानों पर हमें फिसलने, गिरने और जोखिम उठाने के लिए मजबूर होना पड़ेगा ज. यद्यपि इसका अभिप्राय यह नहीं कि रास्ता छोड़ दिया जाए या मित्रता के लिए बढ़ा हुआ हाथ झटक दिया जाएज. रास्ता भी नहीं छोड़ना है, मित्रता के लिए बढ़ा हुआ हाथ भी पकड़े रखना है ज.और सावधान भी रहना है । बस, यही सोच कर आगे चलना होगा।

नवरात्रि में होगी देवी की विशेष कृपा

नवरात्रि का हर दिन मां दुर्गा के नौ रूपों में एक देवी को समर्पित है, उसी अनुसार पूजा और अराधना की जाती है। लेकिन क्या आपको पता है कि देवी को चढ़ाया गया प्रसाद भी आपकी पूजा को सफल करने में अहम भूमिका निभाता है। ज्योतिष अनुसार सभी नौ देवियों का एक पसंदीदा खाद्य पदार्थ है और इसे अगर उस दिन प्रसाद रूप में चढ़ाया जाए तो आपकी मनोकामनाएं पूरी हो सकती हैं।

शैलपुत्री

शैलपुत्री को हिमालय पुत्री माना जाता है। इन्हें घी बेहद प्रिय है, इसलिए प्रसाद के रूप में इस दिन देवी को घी अवश्य चढ़ाएं। साथ ही इनके चरणों पर भी लेप की तरह घी लगाएं, इससे आने वाले समय में आप रोग-व्याधि से मुक्त रहेंगे और आप या परिवार का कोई भी सदस्य लंबी बीमारी से परेशान हो तो वह भी ठीक हो जाएगा।

ब्रह्मचारिणी

दुर्गा का दूसरा रूप मां ब्रह्मचारिणी को माता पार्वती का रूप माना जाता है। ऐसी मान्यता है कि सती होने के बाद उन्होंने इसी रूप में भगवान शिव को दुबारा पति रूप में पाया था। कमंडलधारिणी मां को चीनी का भोग अवश्य लगाएं, इससे परिवार में अकाल मृत्यु की संभावना खत्म हो जाती है।

चंद्रघंटा

माथे पर अर्ध चंद्रमा विराजित मां चंद्रघंटा दुर्गा का तीसरा स्वरूप हैं। ऐसी मान्यता है कि इन्हें दूध बेहद पसंद है, इसलिए अगर नवरात्रि के तीसरे दिन दूध या इससे बनी वस्तुएं-मिठाई प्रसाद के रूप में चढ़ाई जाएं या दान दी जाएं तो देवी प्रसन्न होती हैं।

कूष्मांडा

नवरात्रि के चौथे दिन मां कूष्मांडा की पूजा होती है। कहते हैं माता को मालपुआ बेहद पसंद है, इसलिए इस दिन प्रसाद के रूप में मालपुआ चढ़ाने के अलावा दूसरों को खिलाने वालों की बुद्धि तेज होती है और इसके बल पर वो अपनी सभी मनोकामना पूर्ण करते हैं।

स्कंदमाता

स्कंदमाता की गोद में उनके पुत्र कार्तिकेय विराजमान होते हैं, नवरात्रि के पांचवें दिन इन्हीं की पूजा होती है। पका केला देवी को बहुत प्रिय माना जाता है, इसलिए इस दिन अपनी मनोकामना के साथ केले का प्रसाद चढ़ाएं और गरीबों में बांटें। इससे आपको मनोवांछित फल मिलेंगे, साथ ही रोग-शोक भी दूर होंगे।

कात्यायनी

मां दुर्गा के छठे रूप देवी कात्यायनी को शहद बहुत प्रिय माना जाता है, इसलिए प्रसाद में इस दिन शहद अवश्य चढ़ाएं या इससे बनी किसी अन्य खाद्य वस्तु का भी भोग लगा सकते हैं। ऐसी मान्यता है कि इससे आपको देवी की कृपा मिलती है और अभूतपूर्व खूबसूरती और आकर्षण प्राप्त होता है।

कालरात्रि

देवी कालरात्रि को प्रलयंकारी माना गया है। मान्यता है कि देवी अगर प्रसन्न हो जाएं तो जीवन से सभी प्रकार के दुखों का नाश होता है। देवी काली को गुड़ बेहद प्रिय माना जाता है, इसलिए इनकी कृपा प्राप्ति के लिए इस दिन गुड़ या इससे बना भोग प्रसाद रूप में अवश्य चढ़ाएं। साथ ही गुड़ का दान भी करें।

महागौरी

नवरात्रि की अष्ठमी को मां गौरी की पूजा की जाती है। इस दिन माता को नारियल का प्रसाद चढ़ाएं और ब्राह्मणों को इसका दान भी करें, आपकी सभी मनोकामनाएं पूर्ण होंगी।

सिद्धिदात्री

नवरातरि के आखिरी दिन मां सिद्धिदात्री की पूजा की जाती है। सफेद तिल इनकी पसंदीदा खाद्य वस्तु है, इसलिए इस दिन की पूजा सफेद तिल और इससे बनी खाद्य वस्तुओं का भोग अवश्य लगाएं। मां सिद्धिदात्री सर्वमनोकामना पूर्ण करने वाला माना जाता है।

नवरात्रि का हर दिन है खास

कैसे करें कन्या पूजन

नवरात्रि एक खास हिन्दू पर्व है जिसे न केवल भारत वर्ष अपितु अन्य देशों मे भी बड़ी धूम धाम से मनाया जाता है। नवरात्रि का शाब्दिक अर्थ है नौ रातें। इन नौ रातों और दस दिनों के दौरान देवी दुर्गा के नौ रूपों की पूजा की जाती है। न केवल देवी दुर्गा, अपितु देवी सरस्वती अथवा देवी महालक्ष्मी जी की भी स्तुति की जाती है। दुर्गा का शाब्दिक अर्थ , सर्व दुखों का नाश करने वाली होती है। सम्पूर्ण भारतवर्ष मे इसे महान उत्साह के साथ मनाया जाता है।

विधि विधान से कलश स्थापना के बाद नवरात्रि का शुभ पर्व आरंभ हो जाएगा। नवरात्रि यानी सौन्दर्य के मुखरित होने का पर्व। नवरात्रि यानी उमंग से खिल-खिल जाने का पर्व। नौ दिनों तक दैवीय शक्ति मनुष्य लोक के भ्रमण के लिए आती है। इन दिनों की गई उपासना-आराधना से देवी भक्तों पर प्रसन्न होती है। लेकिन पुराणों में वर्णित है कि मात्र श्लोक-मंत्र-उपवास और हवन से देवी को प्रसन्न नहीं किया जा सकता। इन दिनों 2 से लेकर 5 वर्ष तक की नन्ही कन्याओं के पूजन का विशेष महत्व है। नौ दिनों तक इन नन्ही कन्याओं को सुंदर गिफ्ट्स देकर इनका दिल जीता जा सकता है। इनके माध्यम से नवदुर्गा को भी प्रसन्न किया जा सकता है। पुराणों की दृष्टि से नौ दिनों तक कन्याओं को एक विशेष प्रकार की भेंट देना शुभ होता है। अगर आप नौ दिनों तक पूजन नहीं कर सके हैं तो अंतिम दो दिन शुभ और बेहतर अवसर है कन्या पूजन के लिए.

9 दिन कैसे करें कन्या पूजन

सबसे पहले कन्या जब घर में प्रवेश करें तब उनके पैरों में महावर या कुमकुम लगाकर घर में लेकर आएं। उन पर फूलों की वर्षा करें। उनके हाथ में दो तरह की दक्षिणा दें। एक दक्षिणा कन्या घर लेकर जाएगी और दूसरी समस्त पूजन के बाद कन्या से वापिस लेनी है। जब कन्या जाने लगे तब हर कन्या से 1-1 सिक्का लें और उसे अपनी तिजोरी में रखें।

- प्रथम दिन इन्हें फूल की भेंट देना शुभ होता है। साथ में कोई एक श्रृंगार सामग्री अवश्य दें। अगर आप मां सरस्वती को प्रसन्न करना चाहते है तो श्वेत फूल अर्पित करें। अगर आपके दिल में कोई भौतिक कामना है तो लाल पुष्प देकर इन्हें खुश करें। (उदाहरण के लिए : गुलाब, चंपा, मोगरा, गेंदा, गुड़हल)
- दूसरे दिन फल देकर इनका पूजन करें। यह फल भी सांसारिक कामना के लिए लाल अथवा पीला और वैराग्य की प्राप्ति के लिए केला या श्रीफल हो सकता है। याद रखें कि फल खट्टे ना हो।
- तीसरे दिन मिठाई का महत्व होता है। इस दिन अगर हाथ की बनी खीर, हलवा या केशरिया चावल बना कर खिलाए जाएं तो देवी प्रसन्न होती है।
- चौथे दिन इन्हें वस्त्र देने का महत्व है लेकिन सामर्थ्य अनुसार रूमाल या रंगबिरंगे रीबन दिए जा सकते हैं।
- पांचवे दिन देवी से सौभाग्य और संतान प्राप्ति की मनोकामना की जाती है। अत : कन्याओं को पांच प्रकार की श्रृंगार सामग्री देना अत्यंत शुभ होता है। इनमें बिंदिया, चूड़ी, मेहंदी, बालों के लिए क्लिप्स, सुगंधित साबुन, काजल, नेलपॉलिश, टैल्कम पावडर इत्यादि हो सकते हैं।
- छठे दिन बच्चियों को खेल-सामग्री देना चाहिए। आजकल बाजार में खेल सामग्री की अनेक वैरायटी उपलब्ध है। पहले यह रिवाज पांचे, रस्सी और छोटे-मोटे खिलौनों तक सीमित था। अब तो ढेर सारे विकल्प मौजूद है।
- सातवां दिन मां सरस्वती के आह्वान का होता है। अत : इस दिन कन्याओं को शिक्षण सामग्री दी जानी चाहिए। आजकल स्टेशनरी बाजार में विभिन्न प्रकार के पेन, स्केच पेन, पेंसिल, कॉपी, ड्रॉईंग बुक्स, कंपास, वाटर बॉटल, कलर बॉक्स, लंच बॉक्स उपलब्ध है।
- आठवां दिन नवरात्रि का सबसे पवित्र दिन माना जाता है। इस दिन अगर कन्या का अपने हाथों से श्रृंगार किया जाए तो देवी विशेष आशीर्वाद देती है। इस दिन कन्या के दूध से पैर पूजने चाहिए। पैरों पर अक्षत, फूल और कुंकुम लगाना चाहिए। इस दिन कन्या को भोजन कराना चाहिए और यथासामर्थ्य कोई भी भेंट देनी चाहिए। हर दिन कन्या-पूजन में दक्षिणा अवश्य दें।
- नौवें दिन खीर, ग्वारफली और दूध में गूंथी पूरियां कन्या को खिलानी चाहिए। उसके पैरों में महावर और हाथों में मेहंदी लगाने से देवी पूजा संपूर्ण होती है। अगर आपने घर पर हवन का अयोजन किया है तो उसके नन्हे हाथों से उसमें समिधा अवश्य डलवाएं। उसे इलायची और पान का सेवन कराएं।
- इस परंपरा के पीछे मान्यता है कि देवी जब अपने लोक जाती है तो उसे घर की कन्या की तरह ही बिदा किया जाना चाहिए। अगर सामर्थ्य हो तो नौवें दिन लाल चुनर कन्याओं को भेंट में दें। उन्हें दुर्गा चालीसा की छोटी पुस्तकें भेंट करें। गरबा के डाँडिए और चणिया-चोली दिए जा सकते हैं।

नवरात्रि में इन सारी रीतियों के अनुसार पूजन करने व भेंट देने से देवी प्रसन्न होकर वर्ष भर के लिए सुख, समृद्धि, यश, वैभव, कीर्ति और सौभाग्य का वरदान देती है।

ऐसे सजाएं नवरात्रि में मां का दरबार

नवरात्रि में मां दुर्गा के भक्त घर में ही घट स्थापना करते हैं और नौ दिनों तक उनके नवस्परूपों की पूजा-अर्चना करते हैं। कहते हैं ऐसा करने से मां दुर्गा की असीम कृपा प्राप्त होती है। मगर आपको बता दें कि नवरात्रि पूजा की वास्तुशास्त्र में भी एक खास अहमियत है और इसके अनुसार नवरात्रि पूजा को लेकर कुछ खास नियम भी हैं, जिनका अगर पालन किया जाए तो उसके परिणाम और भी ज्यादा शुभ व फलदायी साबित होते हैं। अब जैसे कि घर में मां का दरबार सजाने को ही ले लीजिए, ऐसा माना जाता है इससे जुड़े वास्तु नियमों का पालन करने से मां अपने भक्तों की हर मुराद पूरी करती हैं। तो चलिए आपको इसके नियमों से अवगत कराते हैं-

- वास्तु के अनुसार ईशान कोण (उत्तर-पूर्व) में दैवीय शक्तियां वास करती हैं, इसलिए नवरात्रि के दौरान मां का स्वरूप अथवा कलश स्थापना इसी दिशा में करना चाहिए।
- पूजा सामग्री को दक्षिण-पूर्व दिशा में रखना चाहिए, मां प्रसन्न होती हैं।
- जिस कमरे में मां की स्थापना की गई हो, उस कमरे में हल्का पीला, हरा अथवा गुलाबी रंग होना चाहिए।
- पूजन में एकाग्रता लाने के लिए घर की उत्तर-पूर्व दिशा में प्लास्टिक अथवा लकड़ी से बना पिरामिड रखें। यह नीचे से खोखला होना चाहिए।
- हिंदू शास्त्रों अथवा वास्तुशास्त्र के अनुसार कोई भी शुभ कार्य आरंभ करने से पूर्व हल्दी अथवा सिंदूर से स्वस्तिक

बनाने का विधान है। इसलिए पूजन आरंभ करने से पूर्व स्वस्तिक अवश्य बनाएं।

- वास्तुशास्त्र के अनुसार शंख बजाने व घंटानाद करने से देवी-देवता प्रसन्न होते हैं। इससे वातावरण में शुद्धता और पवित्रता का संचार होता है। वैज्ञानिक रूप से भी माना जाता है कि जिस स्थान पर शंख ध्वनि होती है, वहां सभी प्रकार के बैक्टीरिया नष्ट हो जाते हैं। इसलिए पूजा में इसका इस्तेमाल जरूर करें।

इस नवरात्रि में कब करें घटस्थापना

घट स्थापना मुहूर्त

सुबह 06 बजकर 09 मिनट से 08 बजकर 06 मिनट तक
घट स्थापना अभिजीत मुहूर्त
सुबह 11 बजकर 49 मिनट से दोपहर 12 बजकर 38 मिनट तक

कैसे करें घट स्थापना

धार्मिक मान्यता के अनुसार, नवरात्र में घट स्थापना करने से मां दुर्गा प्रसन्न होती हैं और पूजा का पूर्ण फल मिलता है। कलश स्थापना के लिए चांदी, मिट्टी या तांबे के कलश का चयन करें। सुबह स्नान करने के बाद मंदिर की साफ-सफाई कर लें। घटस्थापना की जगह पर गंगाजल का छिड़काव करें। हल्दी से अष्टदल बनाएं। अब कलश में जल भर लें और गंगाजल डालें। इसके अलावा कलश में सिक्का, फूल और अक्षत डालें। नारियल को लाल चुनरी में लपेटकर कलश के ऊपर रख दें। कलश पर रोली से तिलत करें। अंत में मां दुर्गा के नाम का ध्यान रखें।

नवरात्रि व्रत, पूजन और इसका महत्व

नवरात्रि एक खास हिन्दू पर्व है जिसे न केवल भारत वर्ष अपितु अन्य देशों मे भी बड़ी धूम धाम से मनाया जाता है। नवरात्रि का शाब्दिक अर्थ है नौ रातें। इन नौ रातों और दस दिनों के दौरान देवी दुर्गा के नौ रूपों की पूजा की जाती है। न केवल देवी दुर्गा, अपितु देवी सरस्वती अथवा देवी महालक्ष्मी जी की भी स्तुति की जाती है। दुर्गा का शाब्दिक अर्थ , सर्व दुखों का नाश करने वाली होती है। सम्पूर्ण भारतवर्ष मे इसे महान उत्साह के साथ मनाया जाता है। देवी के ९ रूपों के नाम इस प्रकार हैं -
शैलपुत्री - इसका अर्थ- पहाड़ों की पुत्री होता है।
ब्रह्मचारिणी - इसका अर्थ- ब्रह्मचारीणी।
चंद्रघंटा - इसका अर्थ- चाँद की तरह चमकने वाली।
कूष्माण्डा - इसका अर्थ- पूरा जगत उनके पैर में है।
स्कंदमाता - इसका अर्थ- कार्तिक स्वामी की माता।
कात्यायनी - इसका अर्थ- कात्यायन आश्रम में जन्मि।
कालरात्रि - इसका अर्थ- काल का नाश करने वली।
महागौरी - इसका अर्थ- सफेद रंग वाली मां।
सिद्धिदात्री - इसका अर्थ- सर्व सिद्धि देने वाली।

नवरात्रि एतिहासिक दृष्टि से

दुर्गा महाशक्ति का पर्व सनातन काल से मनाया जा रहा है। ऐसा मन जाता है की सर्वप्रथम श्री रामचंद्र जी ने शारदीय नवरात्रि पूजा का प्रारंभ समुन्द्र तट पर किया था। उसके बाद दसवें दिन लंका विजय के लिए प्रस्थान किया था। असत्य पर सत्ये की विजय सर्व विदित है की किस प्रकार भगवान श्री राम ने असत्य पर सत्ये की विजय हांसिल की और तभी से दशहरा मनाया जाने लगा। आदिशक्ति के हर रूप की नवरात्रि के नौ दिनों में क्रमश : अलग-अलग पूजा की जाती है। माँ दुर्गा की नौवीं शक्ति का नाम सिद्धिदात्री है। ये सभी प्रकार की सिद्धियाँ देने वाली हैं। इनका वाहन सिंह है और कमल पुष्प पर ही आसीन होती हैं। नवरात्रि के नौवें दिन इनकी उपासना की जाती है। नवदुर्गा और दस महाविद्याओं में काली ही प्रथम प्रमुख हैं। भगवान शिव की शक्तियों में उग्र और सौम्य, दो रूपों में अनेक रूप धारण करने वाली दशमहाविद्या अनंत सिद्धियाँ प्रदान करने में समर्थ हैं। दसवें स्थान पर कमला वैष्णवी शक्ति हैं, जो प्राकृतिक संपत्तियों की अधिष्ठात्री देवी लक्ष्मी हैं। देवता, मानव, दानव सभी इनकी कृपा के बिना पंगु हैं, इसलिए आगम-निगम दोनों में इनकी उपासना समान रूप से वर्णित है। सभी देवता, राक्षस, मनुष्य, गंधर्व इनकी कृपा-प्रसाद के लिए लालायित रहते हैं।

देवी पूजन का महत्व

देवी काली और दुर्गा सभी दुखों को दूर करने वाली और सब सुख प्रदान करने वाली है। नवरात्री के हर एक दिन अलग तरीके से पूजा करके देवी माता, आदिशक्ति की आराधना कर इन्हे खुश किया जाता है , फलसवरूप जीवन मई खुशिओं का संचार हो , हर प्रकार की नकारात्मक भावों से छुटकारा मिलता है। देवी माता अपने भगतों पर सहज ही रीझ जाती है। माता का अटूट प्यार, दुलार और स्नेह आशीर्वाद के रूप मे मिलता रहता है। जिसके साधक को किसी अन्य सहायता की जरुरत नहीं पढ़ती और वह सर्वशक्तिमान हो जाता है। माँ की करुणा अपार है जिसका कोई अंत नहीं है।

स्वावलंबी भारत अभियान अंतर्गत कैट की महिला इकाई लगाएगी प्रदर्शनी

स्वदेशी व विदेशी वस्तुओं की जानकारी देने सूची का कैट पदाधिकारी घर-घर कर रहे हैं वितरण

दुर्ग (समय दर्शन)। स्वावलंबी भारत अभियान अंतर्गत भारत वर्ष में चलाए जा रहे स्वदेशी अपनाओ-विदेशी हटाओ अभियान के तहत एमएसएमई एवं कैट दुर्ग इकाई के संयुक्त तत्वावधान में भेंट एवं विचार-विमर्श बैठक एवं भेंट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बैठक में भारत सरकार के एमएसएमई डीएफओ रायपुर सहायक निदेशक योगेश कुमार, उद्यमिता विशेषज्ञ प्रेम आनंद राव, स्वावलंबी भारत अभियान छत्तीसगढ़ के प्रांत सह समन्वयक संजय चौबे, एमएसएमई प्रभारी मोहम्मद अली हिरानी, कैट दुर्ग जिला इकाई अध्यक्ष प्रकाश सांखला, महिला इकाई अध्यक्ष सुश्री पायल जैन, कैट चेयरमैन पवन बडजात्या, युवा इकाई अध्यक्ष रवि केवलतानी एवं अन्य पदाधिकारी विशेष रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान स्वदेशी-विदेशी वस्तुओं की तुलनात्मक सूचियां तथा स्वावलंबन की ओर बढ़ता भारत नामक पुस्तक सभी गणमान्य अतिथियों को भेंट की गई। कैट दुर्ग इकाई अध्यक्ष प्रकाश

सांखला एवं महिला इकाई अध्यक्ष सुश्री पायल जैन, युवा इकाई अध्यक्ष रवि केवलतानी ने बताया कि स्वदेशी-विदेशी वस्तुओं की सूची वितरण कर घर-घर जाकर लोगों को यह बताया जा रहा है कि कौन सी विदेशी वस्तुओं के स्थान पर भारतीय उत्पादों का उपयोग किया जा सकता है। विदेशी ब्रांडों के विकल्प के रूप में स्थानीय एमएसएमई इकाइयों एवं ग्रामीण उत्पादों को बढ़ावा देने पर जोर दिया जा रहा है। सूची में दैनिक जीवन की वस्तुएं शामिल की गई हैं, जैसे साबुन, टूथपेस्ट, कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक्स, खिलौने, मोबाइल ऐप्स, फर्नीचर, पैकेज्ड फूड आदि शामिल हैं। दुर्ग जिला कैट महिला इकाई अध्यक्ष सुश्री पायल जैन ने बताया कि आगामी 5 अक्टूबर को महिलाओं के उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने हेतु वार्षिक प्रदर्शनी का आयोजन किया जाएगा। यह प्रदर्शनी महिलाओं को न सिर्फ बाजार देगी बल्कि उनके उत्पादों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान भी दिलाएगी। कैट चेयरमैन पवन बड़जात्या ने कहा कि महिलाओं के लिए आयोजित यह प्रदर्शनी महिला सशक्तिकरण व महिला उद्यमियता की दिशा में बड़ा कदम होगा। स्वावलंबी भारत अभियान के प्रांत सह समन्वयक संजय चौबे ने बताया कि स्किल डेवलपमेंट कार्यशाला आगामी माह से महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने हेतु विशेष प्रशिक्षण एवं स्किल डेवलपमेंट कार्यशाला आयोजित की जाएगी। इसमें सिलाई, पैकेजिंग, डिजिटल मार्केटिंग, फूड प्रोसेसिंग, हैंडीक्राफ्ट जैसे क्षेत्रों का प्रशिक्षण शामिल रहेगा। मोहम्मद अली हिरानी ने बताया कि यह कार्यक्रम केवल एक औपचारिकता नहीं बल्कि जनञ्जन तक स्वावलंबन का संदेश पहुँचाने का आंदोलन है।

संक्षिप्त समाचार

गरबा के नाम पर अश्लीलता और फूहड़ता बर्दाश्त नहीं : हिन्दू युवा मंच

राजनांदगांव। हिन्दू युवा मंच जिला इकाई ने आगामी नवरात्र के पर्व और नवरात्र के अवसर पर संस्कारधानी नगरी में होने वाले गरबा पंडालो के सभी आयोजनकर्ताओं से गरबा की मर्यादा को ध्यान में रखने और किसी भी आयोजन में देवी-देवताओं के प्रतीकात्मक स्वरूप वाली थीम का प्रदर्शन न करने, छोटे और अंग प्रदर्शन वाली युवतियों को पंडाल के भीतर प्रवेश न देने और फूहड़ बॉलीवुड गीतों को न बजाने की अपील की है। गरबा उत्सव से जुड़ी तमाम गतिविधियों पर इस बार भी हिन्दू युवा मंच की पैनी नजर रहेगी। मंच ने सख्त लहजों में हिदायत दी है कि, ऐसे पावन और धार्मिक आस्था से जुड़े आयोजन में फूहड़ता और अश्लीलता किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जायेगी। हिन्दू युवा मंच के जिला प्रभारी किशोर माहेश्वरी के मार्गदर्शन में और जिला अध्यक्ष सुरेश लोहमार, शहर अध्यक्ष राजा ताम्रकार और जिला महामंत्री अभिषेक शर्मा के नेतृत्व में हिन्दू युवा मंच ने एक विज्ञप्ति जारी कर, गरबा पंडालों से संस्कारधानी के अनुरूप गरबा उत्सव को पारम्परिक और मर्यादित तरीके से मनाने की अपील की है। इसके अलावा धार्मिक तीर्थ स्थलों और हिन्दू देवी-देवताओं के प्रतीकात्मक स्वरूप और उनका स्वांग रचने थीम का भी कड़ा विरोध करने की योजना बनाई है। उन्होंने कहा कि, पिछले वर्ष भी मंच के द्वारा गरबा पंडालों को सख्त हिदायत दी थी, हिदायत के बाद कुछ गरबा पंडालों ने अपनी थीम बदल दी थी तो वहीं कुछ एक गरबा पंडालों ने इस अनदेखी की थी, जब उन्हें इसकी खबर मिली तो उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफार्म इंस्ट्राग्राम पर माफी भी मांगी थी। धार्मिक आस्था को ठेस पहुंचाने की यदि इस बार गलती की गई तो उन्हें कड़े विरोध और आंदोलन का सामना करने तैयार रहने की खुली चुनौती दी गई है। मंच ने यह भी हिदायत दी है कि, यदि किसी पंडाल ने भूलवश या जानबूझकर देवी देवताओं के स्वांग रचने वाली थीम रखी है तो समय रहते उसे बदल दे। हमारी चेतावनी के बाद भी यदि किसी गरबा पंडालों ने ऐसा दुस्साहस करने का प्रयास भी किया तो उन्हें इसका खामियाजा भुगतना होगा। हमारी इस अपील के बाद भी अगर देवी-देवताओं का अनादर करने वाले और धार्मिकता का उपहास उड़ाने वाले कोई भी आयोजन होने की सूचना हमें प्राप्त होती है तो आयोजन को तत्काल प्रभाव से उसी समय बंद करा दिया जायेगा, जिसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी आयोजन समितियों की होंगी। संगीत एवं गीतों का चयन केवल देवी भक्ति और पारंपरिक गरबा डांडिया गीत बजाने, अश्लील, फूहड़ और द्विअर्थी गीत पर पाबंदी, महिलाओं की सुरक्षा हेतु सीसीटीवी कैमरे लगाने, महिला हेल्प डेस्क एवं शिकायत केंद्र की स्थापना गरबा पंडालों में करने, गरबा स्थल का प्रयोग केवल धार्मिक उद्देश्य के लिए करने की हिदायत दी है। वहीं सभी बहनों एवं माताओं से मर्यादित वस्त्रो को पहनने की भी अपील की गई है। यदि इसके बाद भी ऐसे मामले पाये जाते हैं तो हिन्दू युवा मंच ने आयोजनकर्ताओं पर इसकी जवाबदेही स्वयं तय करने की हिदायत दी है।

विकसित भारत : विचारों और रंगों की संगम प्रतियोगिता

नवागढ़ ।समय दर्शन// पंडित जवाहरलाल नेहरू महाविद्यालय, नवागढ़ में दिनांक 20 सितंबर 2025 को विकसित भारत थीम पर पोस्टर (चित्रकला) प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों में रचनात्मकता, नवाचार और समाजहित के प्रति जागरूकता को बढ़ावा देना रहा। कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय के संचालक श्री विनोद अग्रवाल एवं प्राचार्य डॉ. राजेश शर्मा के मार्गदर्शन में हुआ। अपने उद्बोधन में श्री अग्रवाल ने कहा कि ङ्क विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा जब युवा पीढ़ी अपनी सोच और कल्पनाओं को समाजहित के कार्यों से जोड़े। उन्होंने बताया कि विकसित भारत थीम का मूल उद्देश्य स्वच्छता, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण संरक्षण और आत्मनिर्भरता की भावना को बढ़ावा देना है। उन्होंने कहा कि ऐसी प्रतियोगिताएँ विद्यार्थियों को राष्ट्रनिर्माण में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करती हैं। प्रतियोगिता में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों ने भाग लिया और अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। निर्णायकों द्वारा मूल्यांकन उपरांत प्रथम पुरस्कार फ्लोरेंस, द्वितीय पुरस्कार एवं प्रियंशा एवं पायल तथा तृतीय पुरस्कार हेमा एवं विभा, चतुर्थ पुरस्कार शिव एवं रुद्र तथा पंचम पुरस्कार पिंकी एवं चेतन को प्रदान किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राध्यापकगण ङ्क श्री तेरस दिनकर (आईं क्यू ए सी प्रभारी), श्रीमती प्रीति देवांगन (कार्यक्रम प्रभारी), श्री आरथो, श्रीमती लक्ष्मीन महंत, श्री सतीश, श्री अनुभव, श्री शिवरात्रि, श्री विमल,सुश्री रजनी साहू सहित अनेक छात्र-छात्राओं की उपस्थिति रही। सभी की सक्रिय भागीदारी से कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

श्री गंजपारा दुर्गा उत्सव समिति पुरानी गंजमंडी का शारदेय नवरात्र पर्व पर का 58वां वर्ष, होंगे विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम

प्रशासन के दिशा निर्देशों द्वारा समिति ने नहीं किया स्टाल निर्माण, पार्किंग व्यवस्था भी निशुल्क

दुर्ग (समय दर्शन)। श्री गंजपारा दुर्गा उत्सव समिति पुरानी गंजमंडी गंजपारा दुर्ग द्वारा शारदेय नवरात्र पर्व बड़ी धूमधाम से मनाने जा रही है। यह समिति का 58वां वर्ष है, इस कड़ी में प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी समिति द्वारा विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है ।जिसमें 25 सितंबर रात्रि 9:15 बजे से रायपुर के कलाकार आदित्य सिन्हा नाईट,26 सितंबर को बंटू भाई सेवक दिल्ली

एवं गौरव दत्त तिजारा राजस्थान के सुप्रसिद्ध भजन गायक को द्वारा बाबा खाटूश्यामजी जी का भजन,27 सितंबर रात्रि 9:15 बजे से अखिल भारतीय कवि सम्मेलन जिसमें अपनी रचना का पाठ करेंगे,कुमार मनोज लखनऊ, अरूण जैमिन फरिदाबाद,डा अनिल चौबे बनारस, मोहित शौर्य गाजियाबा, दीपक दनादन भोपाल, कृति चौबे दिल्ली,28 सितंबर छत्तीसगढ़ी कलाकारा कंचन जोशी प्रस्तुति का कार्यक्रम आयोजित है ।साथ ही 2 अक्टूबर माता की महाप्रसादी भंण्डारा सुबह 10:30 बजे से होना है, 30 सितंबर अष्टमी हवन पुजन सुबह 10 बजे,3 अक्टूबर विसर्जन सुबह 9:30 बजे किया जाएगा ।उक्त जानकारी समिति सदस्यों द्वारा दी गई तथा यह भी बताया कि प्रशासन के दिशा निर्देशों द्वारा समिति द्वारा किसी भी प्रकार के स्टाल का निर्माण नहीं किया गया है और ना ही किसी को पार्किंग के लिए अधिकृत किया गया है,पार्किंग व्यवस्था निशुल्क है।

स्वच्छता पखवाड़ा का आयोजन शुरू हुआ संकुल सेमरिया में

होमन सिंह ठाकुर समय दर्शन नंदिनी अहिवारा। शासकीय प्राथमिक एवम् पूर्व माध्यमिक शाला सेमरिया , हायर सेकेण्डरी स्कूल सेमरिया,प्राथमिक शाला कोकड़ी,प्राथमिक एवम् पूर्व माध्यमिक शाला पेंड्रीतराई,संकुल सेमरिया विकासखंड धमधा जिला दुर्ग में शासन के निर्देशानुसार स्वच्छता पखवाड़ा अन्तर्गत,स्वच्छता ही सेवा कार्यक्रम का शुरुआत हुआ ।पहले दिवस के कार्यक्रम में शिक्षको ,सरपंच ,जनप्रतिनिधियों , पालकों,शाला के कर्मचारियों और बच्चो ने शपथ लिया,शपथ दिलाते हुए स्वयं से ,घर से,आसपास,गली मुहल्ले,गांव को स्वच्छ करने के लिए प्रेरित किया ।दूसरे दिवस एक पहल स्वच्छता की की थीम पर स्वच्छता का मानव श्रृंखला बनाकर संदेश दिया गया। तीसरे दिवस स्वच्छोत्व ग्रीन इंडिया क्लीन इंडिया थीम पर निबंध लेखन और नारा लेखन आयोजित हुआ ।चौथे दिवस विद्यालय एवम् आसपास की सफाई शिक्षको और छात्रों द्वारा किया गया। सीएसी सूर्यकांत हरदेल ने शिक्षको ,छात्रों, जन प्रतिनिधियों,शाला के कर्मचारियों , स्वच्छता दीदी को संबोधित करते हुए कहा हमे अपने स्वभाव में परिवर्तन करना है,सर्वप्रथम हमे स्वच्छता के प्रति सजग होते हुए कार्य करना है,अपने परिवार के सदस्यो को प्रेरित करने घर और आसपास को सफाई करते हुए एक दूसरे तक संदेश पहुंचाना है ।स्वच्छता के प्रति स्वभाव और संस्कार में बदलाव लाना है,घर में कचरा को अलग अलग डिब्बों या बाल्टी में एकत्रित करे। स्वच्छता के लिए गीला और सुखा कचरा को डालने की आदत में परिवर्तन लाना है तभी हम अपने घर,गांव, गली मोहल्ले को स्वच्छ रख पाएंगे। सरपंच ग्राम पंचायत सेमरिया श्री मती पुष्पलता मोहित बंजारे, संकुल प्रभारी श्री महेंद्र सिंह ठाकुर, रमेश कुमार ठाकुर, संकुल शैक्षिक समन्वयक सूर्यकांत हरदेल,समस्त शालाओं के प्रधान पाठकगण, व्याख्यातागण , समस्त शिक्षको,बाल केबिनेट(इको क्लब) के सदस्यो ,शाला के कर्मचारियों और छात्रों , स्वच्छता दीदियों की अहम भूमिका रही ।गांव के सभी लोगो तक स्वच्छता संदेश पहुचाकर स्वभाव और संस्कार में परिवर्तन के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया गया।

थाना परिसर में हुआ दुर्गा उत्सव शांति समिति की बैठक

जांजगीर बिर्रा //समय दर्शन//। पुलिस अधीक्षक जांजगीर चांपा विजय कुमार पांडेय के निर्देशन में अनुविभागीय अधिकारी पुलिस चांपा यदुमणि सिदार के कुशल मार्गदर्शन में पुलिस थाना बिर्रा के परिसर में थाना प्रभारी निरीक्षक जय कुमार साहू के नेतृत्व में दुर्गा उत्सव शांति समिति का बैठक 21 सितंबर दिन रविवार शाम को रखा गया। जिसमें बिर्रा थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायतों के कोटवार एवं सरपंच और जनप्रतिनिधिगण आदि उपस्थित थे।

गौरतलब है कि अनुविभागीय अधिकारी पुलिस चांपा के अंतर्गत पुलिस थाना बिर्रा में दिनांक 21 सितंबर दिन रविवार को शाम को दुर्गा उत्सव शांति समिति का बैठक रखा गया। जिसमें बिर्रा थाना क्षेत्र के अंतर्गत बिर्रा, तालदेवरी, सिलादेही, मौहाडीह, गतवा,बोरसी, चोरहादेवरी, बरकुट,नक्टीडीह, करनौद, बंसुला,सेमरिया, बनडभरा, डभराखुर्द, सोनादह,घिवरा, करही, किकिरदा,बसंतपुर, देवरहा, देवरानी आदि ग्राम पंचायतों के कोटवार एवं सरपंच और जनप्रतिनिधिगण के अलावा वरिष्ठ नागरिकगण आदि उपस्थित थे। निरीक्षक जय कुमार साहू ने वहां पर उपस्थित सभी लोगों से अपील करते हुए कहा कि दुर्गा उत्सव के दौरान कोई भी प्रकार से अप्रिय घटना घटित न हो ,ऐसा दुर्गा उत्सव समिति प्रयास करें। उन्होंने आगे बताया कि पंडाल के सामने में वाहन स्टैंड न करें। सड़क से दुर्गा पंडाल की दूरी लगभग 8 से 10 मीटर हो ऐसा प्रयास करें। दुर्गा पंडाल में सोने वाला व्यक्ति नामित हो। आरती के दौरान वॉलिंटियर रखें। झालर लाइट लगाने वाले नौसिखिया को बिल्कुल भी नहीं रखना है। दुर्घटना की स्थिति में समिति को पार्टी बनाया जाएगा। इसके साथ ही दुर्गा उत्सव समिति के अध्यक्ष एवं संरक्षक घटना के लिए संपूर्ण जवाबदार होंगे। फायर सेफ्टी और स्प्रे की व्यवस्था करना बहुत जरूरी है। वाहन चालकों को रोककर चंदा नहीं लेना है। डीजे साउंड का उपयोग नहीं करना है। मातारानी दुर्गा जी के मूर्ति में भगवान की गरिमा को बनाए रखना है। सड़क पर आने जाने वाहन चालकों को परेशान नहीं करना है। साउंड कम करके चलाना है। भद्दा गाना या आपत्ति जनक गाने का उपयोग बिलकुल भी नहीं करना है। बिजली वायर, तार में कटा फ्टा को नहीं लगाना है। गाड़ी को रोककर प्रसाद नहीं देना है। शराबी लोगों का नाम थाना में दें, विसर्जन में डीजे बजाना सख्त मना है। बीम लाइट नहीं लगाना है। महिला कार्यकर्ता भी पंडाल के पास रखना है। पेट्रोलिंग बाइक और पैदल मार्च भी होगा। पुरानी रंजिश का दुर्गा उत्सव के दौरान भड़ास नहीं निकालना है। आपसी मनमुटाव न हो, मर्यादा में रहकर दुर्गा उत्सव के दौरान शांति व्यवस्था के साथ श्रद्धा पूर्वक दुर्गा उत्सव पूरे नौ दिनों तक मनाना है। मूर्ति विसर्जन शाम ढलने के पूर्व करना है। शराब का सेवन नहीं करना है। दुर्गा उत्सव समिति के सदस्य अगर शराब का सेवन करता है तो उनके खिलाफकड़ी से कड़ी कानूनी कार्यवाई की जाएगी । वाहन पर ध्वनि विस्तारक यंत्र का उपयोग नहीं करना है। बिजली का अवैध हुकिंग नहीं करना है। बिजली विभाग से अनुमति लेकर लाइट डेकोरेशन लगाना है। इस अवसर पर बिर्रा थाना क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत पदाधिकारी और जन प्रतिनिधि गण, थाना प्रभारी निरीक्षक जयकुमार साहू, सहायक उप निरीक्षक तेजराम जांगड़े, प्रधान आरक्षक अनिल जगल्ले ,आरक्षक राजकुमार जोशी, रघुवीर यादव, पत्रकार डी एन देवांगन, एवं पुलिस थाना बिर्रा स्टाफ और दुर्गा उत्सव समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य गण भारी संख्या में उपस्थित थे।

भुजियामुंडा पहुँचे बिंद्रानवागढ़ विधायक जनक ध्रुव

कंवर परिवार को दिया सांत्वना, जनसमुदाय उमड़ा दशगात्र कार्यक्रम में

गरियाबंद। ग्राम भुजियामुंडा में गहरा मातम उस समय पसर गया, जब ग्राम की पूर्व सरपंच लिलेशिया बाई कंवर एवं लोकसिंह कंवर की सुपुत्री कु. डिंपल कंवर का 17 सितंबर 2025, बुधवार को आकस्मिक निधन हो गया। युवा अवस्था में इस असमय मृत्यु की खबर से पूरा क्षेत्र स्तब्ध रह गया। परिवार, रिश्तेदारों के साथ-साथ ग्रामवासी भी गहरे शोक में डूब गए। रविवार को आयोजित दशगात्र कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण, सामाजिक कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि एवं विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी पहुंचे। कार्यक्रम के दौरान परिजनों ने भावभीनी

श्रद्धांजलि अर्पित की।

इसी कड़ी में बिंद्रानवागढ़ विधायक जनक ध्रुव भी विशेष रूप से भुजियामुंडा पहुंचे। विधायक ने शोकाकुल कंवर परिवार से भेंट कर उन्हें ढांढस बंधाया और इस कठिन घड़ी में पूरे सहयोग का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि कु. डिंपल कंवर का जाना पूरे समाज की अपूरणीय क्षति है। दुख की इस घड़ी में मैं और पूरा क्षेत्र आपके साथ खड़ा है। कार्यक्रम में उपस्थित जनप्रतिनिधियों एवं सामाजिकजनों ने भी दिवंगत आत्मा की शांति के लिए ईश्वर से प्रार्थना की और परिजनों को धैर्य रखने का संदेश दिया।

कु. डिंपल कंवर अपने मिलनसार स्वभाव और सामाजिक कार्यों में सहभागिता के लिए जानी जाती थीं। उनकी असमय विदाई से ग्राम सहित पूरे क्षेत्र में शोक का माहौल है।

दंतेवाड़ा की छात्राओं में विज्ञान के प्रति जागी नई रुचि, अनुसंधान यात्रा ने खोले ज्ञान के द्वार

दंतेवाडा किरंदुल (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा, बीजापुर और सुकमा जिले की स्कूली छात्राओं में विज्ञान के प्रति रुचि जगाने के लिए राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान (स्ष्टश्वक्रञ्ज), रायपुर और छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद के संयुक्त तत्वावधान में 13 से 18 सितंबर 2025 तक एक अनूठी विज्ञान अनुसंधान यात्रा का आयोजन किया गया। इस यात्रा में राज्य के विभिन्न जिलों से विज्ञान क्विज के माध्यम से चयनित 54 मेधावी छात्राओं और 9 जोन प्रभारी शिक्षिकाओं ने हिस्सा लिया।

दंतेवाड़ा जोन की प्रभारी शिक्षिका हेमलता सिन्हा, सेजेस शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कोडेनार क्रमांक-2, ने बताया कि दंतेवाड़ा जोन से दंतेवाड़ा, बीजापुर और सुकमा जिले की छात्राओं ने इस यात्रा में भाग लिया। दंतेवाड़ा से कु. भावना भंडारी (सेजेस हिंदी, कोडेनार क्रमांक-2), कु. अंतरा कश्यप (सेजेस, कुआकोंडा), बीजापुर से कु. प्रेक्षा अय्यर और गायत्री पाल (सेजेस, बीजापुर), तथा सुकमा से मिसबा (पी.एम. श्री सेजेस, कोन्टा) शामिल रहीं।

यात्रा का शुभारंभ डॉ. सपन

कर्मकार, महानिदेशक, छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, ने रीजनल साइंस सेंटर, रायपुर से किया। पांच दिवसीय इस शैक्षिक यात्रा में छात्राओं ने कोलकाता के बिरला प्लैनेटेरियम, साइंस सिटी, एस.एन. बोस इंस्टीट्यूट ऑफ बेसिक साइंस और साहा इंस्टीट्यूट ऑफ न्यूक्लियर फिजिक्स का भ्रमण किया। उन्होंने रमन प्रभाव, इलेक्ट्रॉन सूक्ष्मदर्शी, परम शून्य ताप पर हीलियम का द्रवीकरण, डीएनए की संरचना, रडार प्रणाली, परम रुद्रा सुपर कंप्यूटर, नासा के अंतरिक्ष अभियानों और वाइजर यान द्वारा ग्रहण अध्ययन पर आधारित फिल्मों के साथ-साथ विभिन्न भौतिक प्रदर्शनियों का अवलोकन किया। छात्राओं को वैज्ञानिक उपकरणों की कार्यप्रणाली समझने और शोध से जुड़े वैज्ञानिकों से संवाद करने का अवसर मिला, जिससे जटिल वैज्ञानिक अवधारणाओं को समझने में उन्हें आनंद आया और विज्ञान के प्रति उनकी रुचि बढ़ी। इस यात्रा का संचालन जे.पी. रथ, अतिरिक्त संचालक, स्ष्टश्वक्रञ्ज, के मार्गदर्शन में के.के. शुक्ला और ओ.पी. मिश्र, सहायक प्राध्यापक, के नेतृत्व में हुआ। डॉ. वसीम राजा, वरिष्ठ वैज्ञानिक, और डॉ. चंद्रवंशी, वैज्ञानिक, छत्तीसगढ़ विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, ने इसका समन्वय किया। इस पहल ने छात्राओं में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के प्रति जागरूकता और उत्साह जागृत किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में दंतेवाड़ा के जिला शिक्षा अधिकारी और विद्यालय प्राचार्यों का विशेष योगदान रहा।

खबर-खास

सांसद खेल महोत्सव : पाटन में सांसद बघेल के नेतृत्व में निकली मशाल यात्रा

पाटन (समय दर्शन)। सेवा पखवाड़ा के तहत आज से सासंद खेल महोत्सव 2025 का आगाज आज पाटन विधानसभा क्षेत्र से भी हुआ। सांसद विजय बघेल के उपस्थिति में आज राजा पाठक के पेट्रोल पंप से मशाल यात्रा निकाली गई। यह मशाल यात्रा स्टेट बैंक मार्ग होते हुए सीधे स्वामी आत्मानंद चौक पहुंची। उसके बाद पुराना बस स्टैंड होते हुए शीलता मंदिर परिसर पहुंची। यहां पर सांसद खेल महोत्सव को सफल बनाने का संकल्प लेकर मशाल यात्रा का समापन हुआ। इस अवसर पर सांसद विजय बघेल, जिला पंचायत सदस्य नीलम चंद्राकार, नगर पंचायत अध्यक्ष योगेश निक्की भाले, सांसद प्रतिनिधि राजा पाठक, सांसद प्रतिनिधि राजेश चंद्राकर, पाटन मंडल अध्यक्ष रानी केशव बंछोर, उपाध्यक्ष निशा सोनी, पाटन मंडल महामंत्री अखिलेश मिश्रा, मंडल अध्यक्ष कमलेश चंद्राकर, सरपंच संघ अध्यक्ष विनय चंद्राकर, पार्षद केवल देवांगन, पूर्व मंडल अध्यक्ष लोकमणि चंद्राकर, खेमलाल साहू,ब होरी लाल वर्मा, सरपंच डोनेश्वर साहू, सुरेंद्र वर्मा, पार्षद अन्नपूर्णा पटेल, संगीता धुरंधर, चंद्रप्रकाश , सुजान वर्मा, केशव बंछोर , बाबा वर्मा, शंकर वर्मा, निर्मल जैन, लालेश्वर साहू, भगवान चंद्राकर, नरेश केला, अजित ठाकुर, सहित अन्य मौजूद थे।

पितृ पक्ष में पखवाड़े भर हुआ भंडारा प्रसाद का आयोजन, तुलसी वाटिका हनुमान मंदिर परिसर में बांटा गया प्रसाद

जांजगीर चांपा. समय दर्शन / पितृ में तुलसी वाटिका हनुमान मंदिर परिसर में पखवाड़े भर भंडारा प्रसाद का आयोजन किया गया और आखरी दिवस अमावस्या को विशेष चावल दाल सब्जी के साथ बड़ा भंडारा रखा गया । यह आयोजन भागवताचार्य पंडित संदीप मिश्रा द्वारा किया गया जिसमें प्रसाद के साथ साथ श्रीमद भागवत गीता महोत्सव एवम श्रीमद भागवत कथा का आयोजन भी रखा गया था । इस आयोजन में पूरे 16 दिन तक अलग अलग दान दाताओं और भक्तों के सहयोग से अलग अलग प्रसाद वितरण किए गए । इस आयोजन को सफल बनाने के लिए देवकुमार पाण्डेय जिलाध्यक्ष कांग्रेस सेवादल , प्रकाश बबला गुप्ता शहर अध्यक्ष कांग्रेस सेवादल , देवराज राठौर , रंजीत मिश्रा , वीर सिंह , टी आर साहु , राजकुमार बाऊ यादव सहित अनेक भक्त जनों ने अपना सहयोग प्रदान किया ।

ओप्पो इंडिया की फेस्टिव सेल शुरू

नई दिल्ली: ओप्पो इंडिया ने त्योहारों की खुशी बढ़ाते हुए अपनी सबसे बड़ी फेस्टिवल सेल पेश की है। इस सेल के अंतर्गत ग्राहकों को 19 सितंबर से 31 अक्टूबर के बीच ओप्पो की सभी डिवाईस पर बेहतरीन ऑफर मिलेंगे, जिनमें नई लॉन्च की गई F31 सीरीज़ और Reno14 सीरीज़ भी शामिल हैं। ये ऑफर ओप्पो ई-स्टोर, फ्लिपकार्ट और अमेज़न पर उपलब्ध होंगे। ओप्पो फेस्टिव सेल में ग्राहकों को कई एक्सक्लुसिव बेनेफिट्स का लाभ मिलेगा, जिनमें जीरो डाउन पेमेंट, इंटरेस्ट-फ्री ईएमआई, इंस्टैंट कैशबैक, आकर्षक एक्सचेंज स्कीम और 10 लाख या 1 लाख रुपये के कैश पुरस्कार के साथ ओप्पो की लेटेस्ट डिवाईस जीतने का मौका शामिल है। ओप्पो इंडिया के हेड-पीआर एंड कम्युनिकेशंस, गोल्डी पटनायक ने इन ऑफ़र्स के बारे में बताया कि,ओप्पो में हम इन त्योहारों को अपने ग्राहकों के लिए खास बनाना चाहते हैं। हम पूरी तरह से अपने ग्राहकों पर केंद्रित रहकर काम करते हैं, और यह ग्रांड फेस्टिव बोनांज़ा हमारे ब्रांड में भरोसा करने के लिए उनके प्रति हमारा हार्दिक अभिनंदन है। फेस्टिव शॉपिंग के दौरान ज्यादा लाभ ज्यादा खुशी प्रदान करता है। इसलिए हमने अपने ऑफर आकर्षक डील, डिस्काउंट और रिवार्ड के साथ पेश किए हैं। हमारी डिवाईस अलग-अलग मूल्यवर्गों में बेजोड़ ड्यूरेबिलिटी, आधुनिक एआई कैमरा क्षमताएं और बेहतरीन परफॉर्मेंस प्रदान करती हैं। इसलिए वो भिन्न-भिन्न श्रेणी के ग्राहकों की जरूरतें पूरी करने में सक्षम हैं। माई ओप्पो दीवाली रैफल बेहतरीन रिवार्ड्स के साथ और ज्यादा खुशी देने के लिए डिज़ाईन किया गया है।

डीडीएस स्कुल बिर्रा में कार्मस विषय कि झूठी जानकारी मामला पहुंचा कलेक्टर तक

प्राचार्य, तत्कालीन बीईओ, डीईओ पर कार्यवाही कि मांग

जांजगीर बिर्रा//समय दर्शन// :- युक्तियुक्तकरण के नियमों कि ताक पर रखकर तत्कालीन बीईओ एम डी दीवान,डीडीएस स्कुल बिर्रा प्राचार्य सुनील कुमार कुर्रे ने शासन को गलत जानकारी भेजने में कोई कसर नहीं छोड़ी। वही मामला अब कलेक्टर तक पहुंच गया है।

पूरा मामला डीडीएस स्कुल बिर्रा का हैं जहां कार्मस विषय संचालित ही नहीं होने के बाद भी यहां दो शिक्षक-शिक्षिका सुशील कुमार नेताम,सरस्वती कुंभकार सालों से पदस्थ हैं,वहीं युक्तियुक्तकरण नीति के तहत उन्हें अन्य स्कूल ट्रान्सफर करना था लेकिन तत्कालीन बीईओ एम डी दीवान से सांठगांठ कर नियमों की धज्जियाँ उड़ाई गई।

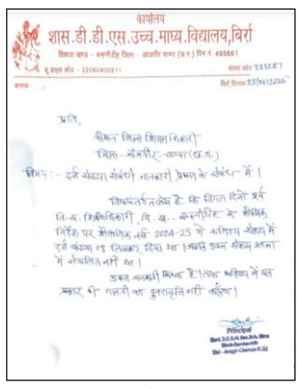

तत्कालीन बीईओ एम डी दीवान के कहने पर प्राचार्य सुनील कुमार कुर्रे ने विघालय में कार्मस विषय नहीं होने के बाद भी सत्र 2024-25 में कक्षा - 11वीं में कार्मस के 8 छात्र-छात्राएं अध्यनरत होने कि झुठी जानकारी दी गई,वही जब पोल खुली तो प्राचार्य द्वारा जिला शिक्षा अधिकारी को 23/06/2025 को बकायदा पत्र लिखकर कार्मस में 8 छात्र-छात्राएं अध्यनरत कि झुठी देना स्वीकार किया, लेकिन इसके बाद भी जिला शिक्षा अधिकारी प्राचार्य पर किसी भी प्रकार कि कार्रवाई न करना समझ से परे हैं। मामले कि शिकायत कलेक्टर से,प्राचार्य,तत्कालीन बीईओ और जिला शिक्षा अधिकारी पर कार्रवाई कि मांग- वही पूरे मामले कि शिकायत कलेक्टर से करते हुए शासन के युक्तियुक्तकरण के नियमों कि धज्जियाँ उड़ाने वाले प्राचार्य,तत्कालीन बीईओ और जानकारी होने के बाद भी कार्यवाही नहीं करने वाले जिला शिक्षा अधिकारी पर कार्रवाई कि मांग की गई है।

बीएमओ के सरंक्षण में बिर्रा में फल-फूल रहे बंगाली डॉक्टर

कलेक्टर,सीएमएचओ से हुई शिकायत

जांजगीर/ समय दर्शन //बिर्रा में इन दिनों बंगाली डॉक्टरो की बाढ़ सी आ गई है। मरीजों को मौत के मुंह में धकेलने के बाद भी लोग सबक नहीं ले रहे हैं। वही बम्हनीडीह बीएमओ के संरक्षण में बंगाली डॉक्टर का कारोबार धड़ल्ले से फल फूल रहा है।वहीं गरीब वर्ग के मरीज इनके झांसे में आकर अपनी जान गंवा रहे हैं। वही मामले कि शिकायत कलेक्टर, सीएमएचओ से कि गई है।

गौरतलब है कि बिर्रा इलाके में एक नहीं दर्जनों ऐसे नीक हकीम फल फूल रहे हैं जो गरीब वर्ग के मरीजों को हार्ट, लीवर किडनी जैसे गंभीर बीमारी की भी जांच कर रहे हैं। -. जबकि ऐसे बंगाली डॉक्टरों के खिलाफ बीते दिनों वड़ी कार्रवाई हो - चुकी है। इसके बाद भी दो चार दिन अपनी दुकान बंद करते हैं और फिर इनकी दुकान आबाद हो जाती है। बीते दिनों एक पटेल क्लीनिक कशिकायत हुई थी। इसके बाद उसकी दुकान को सील किया गया था। अब वह दुकान फिर से आबाद हो गई है। दरअसल, उक्त दुकान में मेडिकल स्टोर की आड़ लेकर दुकान संचालक मरीजों का इलाज भी कर रहा है। ऐसे लोगों के खिलाफ कार्रवाई के लिए सीएमएचओ ने बीएमओ को पूरा अधिकारी दिया हुआ है लेकिन बीएमओ का इनसे महीना बंधवा लिया है। यही वजह है

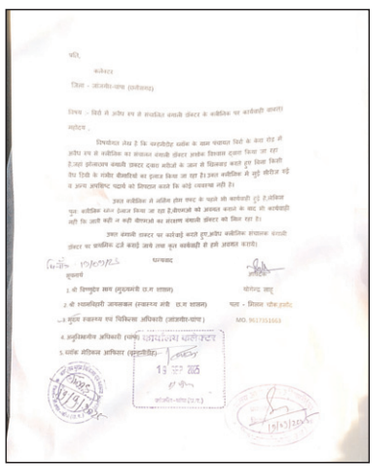

कि इनके खिलाफ किसी तरह की कार्रवाई नहीं होती।

बीएमओ के संरक्षण में फल-फूल रहे बंगाली डॉक्टर,हुई लिखित शिकायत- वही बम्हनीडीह बीएमओ के संरक्षण में बिर्रा में बंगाली डॉक्टर अशोक विश्वास द्वारा लंबे समय से अवैध क्लीनिक का संचालन करने का आरोप लगाते हुए पूरे मामले की शिकायत कलेक्टर और सीएमएचओ से कि गई है अब देखना होगा कि मामलें में किसतरह कि कार्यवाही कि जाती है।

गुरुकुल में शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

कवर्धा (समय दर्शन)। जिले की प्रतिष्ठित अंग्रेजी माध्यम शिक्षण संस्था गुरुकुल पब्लिक स्कूल सदैव ही विद्यार्थियों के साथ अपने शिक्षकों शिक्षिकाओं के शैक्षणिक हित को सर्वोपरि मानता रहा है। इसलिए समय-समय पर विभिन्न एजेंसियों के द्वारा शिक्षकों का प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित होता रहा है। इसी कड़ी में माध्यमिक शिक्षा बोर्ड, नई दिल्ली के उत्कृष्टता केंद्र के तत्वावधान में विद्यालय परिसर में एक दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

सर्वप्रथम माँ वीणावाणी के तेल चित्र पर अतिथियों ने माल्यार्पण किया। विद्यालय प्रशिक्षण कार्यशाला की प्रभारी शिक्षिका ने सबका स्वागत करते हुए इस कार्यशाला की उपयोगिता पर प्रकाश डाला। इस प्रशिक्षण कार्यशाला में गुरुकुल समेत क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों के 60 शिक्षक शिक्षिकाओं ने अंशग्रहण किया। माध्यमिक शिक्षा परिषद दिल्ली के द्वारा प्रदत्त कुशल प्रशिक्षक फैजलुर रहमान खान तथा आलोक कुमार श्रीवास्तव ने शिक्षण पद्धति एवं शिक्षण शास्त्र पर सभी को प्रशिक्षण दिया। विद्वान प्रशिक्षक द्वय ने विभिन्न क्रिया कलापों के माध्यम से पेडागोजी अर्थात शिक्षण कला के अंतर्गत शिक्षण की प्रक्रिया, शिक्षण के सिद्धांत तथा उनके व्यावहारिक ज्ञान को प्रभावशाली ढंग से समझाया। उन्होंने बताया कि कक्षा में विद्यार्थियों को इस प्रकार शिक्षण सिद्धांत तथा शिक्षण तकनीक या शिक्षण विधियों से शिक्षण दिया जाए कि वे कठिन से कठिन विषयों को भी खेल खेल में सहजता से सीख सकें। कार्यशाला में विभिन्न शिक्षण विधियों के साथ ही शिक्षक केंद्रित एवं विद्यार्थी केंद्रित शिक्षा की बारीकियों को सोदाहरण समझाया गया। कक्षा में प्रयुक्त शिक्षण के मूलभूत सिद्धांत है जिन्हें जानना प्रत्येक शिक्षक शिक्षिकाओं के लिए आवश्यक है। दो सत्र में आयोजित इस कार्यशाला से सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाएं लाभान्वित हुए। सस्था के अध्यक्ष, अन्य पदाधिकारीगण तथा प्रभारी प्राचार्य ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रशिक्षण सत्र से प्राप्त शिक्षण कौशल से सभी शिक्षक-शिक्षिकाएँ और बेहतर तरीके से विद्यार्थियों को पढ़ा सकेंगे।

नवरात्रि में कवर्धा को सात्विक शहर रखने धार्मिक स्थलों के पास नहीं लगेगी अंडा बिरयानी दुकानें

मंदिर व दुर्गा पंडाल क्षेत्र में नहीं लगेगी अंडा बिरयानी की दुकानें- चंद्रप्रकाश

नपा अध्यक्ष व व्यापारियों की बैठक में लिया निर्णय।

कवर्धा (समय दर्शन)। नगर पालिका अध्यक्ष चंद्रप्रकाश चंद्रवंशी ने क्वांर नवरात्रि को लेकर शहर के अलग अलग स्थानों पर अंडा, बिरयानी के व्यवसायियों के साथ एक बैठक की, जिसमें कवर्धा नगर की सांस्कृतिक एवं धार्मिक भावनाओं की महत्ता को ध्यान में रखते हुए नगर पालिका व व्यापारियों ने नवरात्रि पर्व में मंदिर व मां दुर्गा पंडाल क्षेत्र के आसपास अंडा आदि दुकानें बंद रखने एवं निर्धारित स्थल में दुकान संचालित करने निर्णय लिया।

नपा अध्यक्ष श्री चंद्रवंशी ने नवरात्रि पर्व से एक दिन पहले 21 सितंबर को अंडा बिरयानी के व्यवसायियों के साथ बैठक कर नवरात्रि पर्व में व्यवसाय संचालन को लेकर चर्चा की। कवर्धा के लोग नवरात्रि के नौ दिनों को पूर्ण पवित्रता और आस्था के साथ मनाते हैं। उन्होने बैठक में बताया कि नवरात्रि पर्व हमारे कवर्धा शहर की आत्मा है। धर्म नगरी तथा देवभूमि के रूप में प्रसिद्ध कवर्धा माँ विंध्यवासिनी, माँ महामाया, माँ दंतेश्वरी और माँ सिंहवाहिनी व अन्य देवी-देवताओं का साक्षात वास है। उन्होनें बैठक में कहा कि नगर के सभी नागरिक माँ दुर्गा के नौ रूपों के दर्शन सात्विक वातावरण में कर सकें और पूरे नगर का माहौल श्रद्धा और भक्ति से परिपूर्ण बना रहे। नगर पालिका द्वारा अस्थायी तौर पर अंडा, बिरयानी व अन्य मांसाहारी दुकान लगाए जाने हेतु स्थल उपलब्ध कराया जाएगा। जहां अपनी दुकानें पूरे नवरात्रि तक लगा सकते है।

व्यापारियों ने अध्यक्ष श्री चंद्रवंशी के इस निर्णय का स्वागत करते हुए इस पवित्र त्यौहार की गरिमा को ध्यान में रखते हेतु अंडा बिरयानी की दुकान नवरात्रि पर्व में मंदिर क्षेत्र के आसपास नहीं लगाने का आश्वासन दिया। सभी उपस्थित व्यवसायियों ने कहा कि नवरात्रि पर्व पर दुकान लगाए जाने हेतु नगर पालिका द्वारा अस्थायी तौर पर निर्धारित स्थल पर ही दुकान लगाया जाएगा। इस निर्णय से कवर्धा नगर की धार्मिक गरिमा सामाजिक सौहार्द्र और आस्था की रक्षा हो सकेगी। नवरात्रि के दौरान नगर का वातावरण भक्ति और श्रद्धा से पूर्ण रहेगा। भक्तजन निश्चिंत होकर मंदिर दर्शन एवं पूजा-अर्चना में सम्मिलित हो सकेंगे।

बैठक में नगर पालिका उपाध्यक्ष पवन जायसवाल, सभापति रिंकेश वैष्णव, पार्षद संजीव कुर्रे, हरीश साहू, अनिल साहू, व्यापारियों में अजमल खान, अल्ताफ खान, जगदीश चौरसिया, मुकेश ठाकुर, ललित साहू, शिवा साहू, नारायण साहू, कार्तिक मण्डल, मुकेश यादव, गोकुल यादव, कैलाश यादव, मेघनाथ यादव, बृजलाल देवांगन, सोनू साहू, अमित सिन्हा, सफेलुदीन उपस्थित थे।

तेंदुए के हमले से युवक गंभीर रूप से घायल

गरियाबंद। गरियाबंद जिले के फिंगेश्वर वन परिक्षेत्र के सोरिद वनलोहझर क्षेत्र में तेंदुए के हमले से हड़कंप मच गया है। एक युवक पर तेंदुए ने घात लगाकर हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। हमले के बाद इलाके में डर और दहशत का माहौल है। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और घायल युवक को तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया। वहीं, तेंदुए की मौजूदगी को देखते हुए वन विभाग ने आसपास के क्षेत्रों में हाई अलर्ट जारी कर दिया है। घटना के बाद से वन विभाग ने बनगवा, सोरिद, करपी, लोहझर, गुंडरदेही, बम्हणदेही और नागझर सहित आसपास के गांवों में सतर्कता बरतने की अपील की है।

समक्ष श्रीमान उप संचालक, शासकीय क्षेत्रीय मुद्रणालय, राजनांदगांव (छ.ग.)

शपथ पत्र

मैं सुमन साहू उम्र 28 वर्ष पति जयंत कुमार साहू जाति कोलता निवासी ग्राम तोरसिंहा तहसील सरायपाली जिला महासमुन्द छ. ग. निम्नानुसार शपथ पूर्वक सत्य कथन करती हूं कि

(1) यह कि मैं ग्राम तोरेसिंहा तहसील सरायपाली जिला महासमुन्द छ.ग. की स्थायी निवासी हूँ।

(2) यह कि मैं विवाह पूर्व सुमन प्रधान (Suman Pradhan) पिता गौरचरण प्रधान निवासी ग्राम बम्हनी तहसील पिथौरा जिला महासमुन्द छ.ग. के नाम से जानी पहचानी जाती थी मेरा विवाह सामाजिक रीति रिवाज से 01-05-2023 में श्री जयंत कुमार साहू पिता श्री गिरधारी साहू जाति कोलता निवासी ग्राम तोरेसिंहा तहसील सरायपाली जिला महासमुन्द छ.ग. वाले के साथ किया गया है। विवाह पश्चात मुझे ससुराल में सुमन साहू पति जयंत कुमार साहू जाति कोलता निवासी ग्राम तोरेसिंहा तहसील सायपाली जिला महासमुन्द के नाम से जानी पहचानी जाती हूं. इस प्रकार मायके के दस्तावेजों में मेरा नाम कुमारी सुमन प्रधान पिता गौरचरण प्रधान दर्ज है तो ससुराल के दस्तावेजों में मेरा नाम सुमन साहू पति जयंत कुमार साहू दर्ज हैं जिसे कि मेरे द्वारा वर्तमान सुमन साहू करवाया जा रहा है।

(3) यह कि कुमारी सुमन प्रधान पिता गौरचरण प्रधान निवासी ग्राम बम्हनी तहसील पिथौरा जिला महासमुन्द एवं सुमन साहू पति जयंत कुमार साहू वर्तमान निवासी तोरेसिंहा तहसील सरायपाली जिला महासमुन्द छ.ग. एक ही महिला मुझ शपथकर्ती का ही नाम है दो अलग अलग महिलाओं का नाम नहीं है जिस संबंध में सत्य कथन करने के साक्ष्य में यह शपथ पत्र निष्पादित की हूं।

सुमन साहू
शपथकर्ता

न्यायालय तहसीलदार उप तह. भंवरपुर जिला-महासमुंद (छ.ग.)

//ईश्तहार//

क्रमांक /407/क/वा-1/तह./2025
दिनांक 19/09/2025

एतद् द्वारा सर्वसाधारण के लिए सूचनार्थ प्रकाशन कराया जाता है कि आवेदक/आवेदिका विश्वामित्र पिता-उलज निवासी कोलिहादेवरी तहसील बसना के द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर निवेदन किया कि आवेदक/आवेदिका अपने स्वयं माता सीरिसा साहू का दिनांक 22/01/2022 को स्थान कोलिहादेवरी में मत्यु हुआ है। उक्त मत्यु का पंजीयन नही हो पाने के कारण उक्त तिथि में स्वयं माता सीरिसा साहू के मत्यु की घटना पंजीकृत किये जाने हेतु इस न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत किया है।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को किसी भी प्रकार का आपेक्ष/दावा हो अथवा आवेदन-पत्र प्रस्तुत करना करना हो तो वे स्वयं या अपने अभिभावक के माध्यम से दिनांक 03/10/2025 को उपस्थित होकर पेश कर सकते है। बाद में प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 19/09/2025 को मेरे तस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से यह ईश्तहार जारी किया गया।

मुहर

नायब तहसीलदार
भंवरपुर

न्यायालय तहसीलदार उप तह. भंवरपुर जिला-महासमुंद (छ.ग.)

//ईश्तहार//

क्रमांक /406/क/वा-1/तह./2025
दिनांक 19/09/2025

एतद् द्वारा सर्वसाधारण के लिए सूचनार्थ प्रकाशन कराया जाता है कि आवेदक/आवेदिका विश्वामित्र पिता-उलज निवासी कोलिहादेवरी तहसील बसना के द्वारा आवेदन प्रस्तुत कर निवेदन किया कि आवेदक/आवेदिका अपने स्वयं पुत्री रश्मि साहू का दिनांक 25/07/2007 को स्थान कोलिहादेवरी में जन्म हुआ है। उक्त जन्म का पंजीयन नही हो पाने के कारण उक्त तिथि में स्वयं पुत्री रश्मि साह के जन्म की घटना पंजीकृत किये जाने हेतु इस न्यायालय में आवेदन प्रस्तुत किया है।

उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति/संस्था को किसी भी प्रकार का आपेक्ष/दावा हो अथवा आवेदन-पत्र प्रस्तुत करना करना हो तो वे स्वयं या अपने अभिभावक के माध्यम से दिनांक 03/10/2025 को उपस्थित होकर पेश कर सकते है। बाद में प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नही किया जावेगा।

आज दिनांक 19/09/2025 को मेरे तस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से यह ईश्तहार जारी किया गया।

मुहर

नायब तहसीलदार
भंवरपुर

फ्लिपकार्ट ने दोपहिया वाहनों के लिए डिजिटल फर्स्ट किफायत एवं सुगमता को बढ़ाया

रायपुर। भारत के घरेलू ई-कॉमर्स मार्केटप्लेस फ्लिपकार्ट ने अपने वार्षिक शॉपिंग फेस्टिवल द बिग बिलियन डेज की तैयारियों के बीच पेट्रोल एवं इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर्स की बड़ी रेंज उपलब्ध कराते हुए वाहन खरीद के अनुभव को पूरी तरह बदलने की तैयारी कर ली है। त्योहारी सीजन की शुरुआत हो चुकी है और ऐसे में वैरायटी, किफायत, भरोसा एवं 24 घंटे सपोर्ट के साथ फ्लिपकार्ट टू-व्हीलर्स के लिए पसंदीदा डेस्टिनेशन के रूप में अपनी स्थिति को मजबूत कर रहा है। फ्लिपकार्ट के वाइस प्रेसिडेंट इलेक्ट्रॉनिक्स सुजीत अगाशे ने कहा एक दोपहिया वाहन खरीदना कई लोगों के लिए बड़ा फैसला होता है और हम देख रहे हैं कि डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की सहूलियत एवं पारदर्शिता को देखते हुए बहुत से उपभोक्ता तेजी से इन्हें अपना रहे हैं। पिछले एक साल में फ्लिपकार्ट पर दोपहिया वाहनों की मांग तीन गुना हो गई है, जो ग्राहकों को केंद्र में रखकर की जाने वाली हमारी विभिन्न पहल पर उनके भरोसे को दिखाता है। इस त्योहारी सीजन में प्रोडक्ट डिस्कवरी से लेकर फाइनेंसिंग तक, हम इस अनुभव को बेहतर कर रहे हैं, जिससे हमारे ग्राहकों के लिए सुगम एवं आसान प्रक्रिया सुनिश्चित हो रही है। फ्लिपकार्ट में हम यह प्रदर्शित करने के लिए प्रतिबद्ध हैं कि कैसे भरोसेमंद पार्टनर्स एवं मजबूत कस्टमर सर्विस के माध्यम से पूरी तरह डिजिटल सफर के जरिये देशभर में दोपहिया वाहनों की खरीद को ज्यादा आसान एवं सुविधाजनक बनाया जा सकता है। कम्युटर्स, परफॉर्मेंस और प्रीमियम बाइक से लेकर टॉप-सेलिंग स्कूटर व इलेक्ट्रिक टू-व्हीलर्स तक प्लेटफॉर्म पर दोपहिया वाहनों की व्यापक रेंज मिलेगी। इनमें हीरो, टीवीएस, बजाज, सुजुकी, टीवीएस आईक्यूब, चेतक, एथर, विडा, ओला एवं एम्पियर जैसे अग्रणी ब्रांड शामिल हैं। द बिग बिलियन डेज 2025 में रॉयल इनफील्ड मोटरसाइकिल भी लॉन्च की जाएगी। इसके साथ ही जावा यजदी, केटीएम और ट्रियम्फ जैसी प्रीमियम मोटरसाइकिल्स में से भी चुनने का मौका मिलेगा।

कार्यालय कार्यपालन अभियंता, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड, राजेन्द्र पार्क चौक दुर्ग (छ.ग.)

दूरभाष क्र. 0778-2323633, E-mail:eedurg-phe-cg@nic.in

नि.सू.क्र. 10 /तशा./(निविदा)/का.अ./लो.स्वा.यां.खंड/2025 दुर्ग, दिनांक : 16-09-2025

//मैनुअल पद्धति निविदा सूचना (द्वितीय आमंत्रण)//

छत्तीसगढ़ राज्य के राज्यपाल की ओर से एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत श्रेणी "डी" एवं उच्च में पंजीकृत ठेकेदारों से "प्रपत्र ए" में प्रतिशत दर पर दुर्ग जिले के निम्नलिखित पीएम श्री विद्यालय, स्वामी आत्मानंद शासकीय अंग्रेजी मिडियम स्कूल दुर्ग में 150 मि.मी. व्यास के 120 मीटर गहरे नलकूप खनन कार्य हेतु मैनुअल निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र हेतु आवेदन की अंतिम तिथि 25.09.2025 शाम 5.30 बजे है।

समूह क्र.	नलकूप की संख्या	स्वामी आत्मानंद स्कूल का नाम	अनुमानित लागत (रू. लाख में)
एकल समूह	03 नग	कुम्हारी, अहिवारा एवं बालाजी नगर खुर्सीपार भिलाई	2.78

यह निविदा सूचना मूल निविदा का एक अंग है। विस्तृत निविदा एवं पूर्ण जानकारी इस कार्यालय में कार्यालयीन समय में देखी जा सकती है।

G-252603616/2

कार्यपालन अभियंता
लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी खंड
दुर्ग (छ.ग.)

संक्षिप्त-खबर

भाजयुमो नेता लोकेश पटेल ने मुख्यमंत्री से की मुलाकात, युवाओं के मुद्दों पर कराया ध्यानाकर्षण

साजा (समय दर्शन)। भाजपा युवा मोर्चा (भाजयुमो) के जुझारू और कर्मठ नेता लोकेश पटेल पलेनी ने हाल ही में मुख्यमंत्री जी से सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने युवाओं से जुड़े अनेक अहम मुद्दों पर चर्चा कर सरकार का ध्यानाकर्षण कराया। मुलाकात के दौरान पटेल ने विशेष रूप से युवाओं के रोज़गार, शिक्षा, खेल, उद्यमिता, डिजिटल सशक्तिकरण जैसे विषयों को प्रमुखता से रखा। उन्होंने मुख्यमंत्री जी से आग्रह किया कि प्रदेश के युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा देने के लिए अधिकाधिक अवसर और योजनाओं की आवश्यकता है। जिस पर मुख्यमंत्री जी ने संज्ञान लेते हुए पटेल की सराहना किया एवं आश्वासन दिया।

भारतीय स्टेट बैंक की डिजिटल बैंकिंग , अब ग्राहकों के बचत खाते टैब के माध्यम से ऑनलाइन खोले जाएंगे

दंतेवाडा किरंदुल। भारतीय स्टेट बैंक डिजिटल बैंकिंग की ओर कदम बढ़ाते हुए, अब ग्राहकों के बचत खाते टैब के माध्यम से ऑनलाइन खोले जाएंगे। भारतीय स्टेट बैंक के मुख्य प्रबंधक उत्कर्ष देवांगन ने बताया कि अब भारतीय स्टेट बैंक की किरंदुल शाखा में ऑनलाइन बचत खाता खोलने के लिए किसी डॉक्यूमेंट की कॉपी या फोटो की प्रति की आवश्यकता नहीं है। देश का कोई भी नागरिक जिसकी उम्र 18 वर्ष हो चुकी है वह यह खाता खोल सकता है द्य किसी भी ग्राहक को अपना खाता खुलवाना है तो उनके पास आधारकार्ड, एक्टिव मोबाइल नंबर और ईमेल आईडी होना आवश्यक है। आपके फोटो और हस्ताक्षर ऑनलाइन ही सबमिट किए जाएंगे, आपको सिर्फटर्म और कंडीशन पेपर पर हस्ताक्षर करके देना है जिसे ऑनलाइन अपलोड किया जाएगा और कुछ ही समय में आपको खाता संख्या तुरंत दे दिया जाएगा, पासबुक ब्रांच में जाकर प्राप्त किया जा सकता है। मुख्य प्रबंधक ने यह भी बताया कि किसी संस्था, समूह के सदस्य या कॉलेज के छात्र-छात्राओं का जहां 20 या उससे अधिक खाता खोला जाना है, वहां पर बैंक के प्रतिनिधि स्वयं उपस्थित होकर, टैब के माध्यम से ऑनलाइन बचत खाता खोलने की व्यवस्था बैंक द्वारा किया गया है द्य बचत खाता संख्या वहीं ग्राहकों को तुरंत दे दिया जाएगा। भारतीय स्टेट बैंक अपने ग्राहकों की डॉक्यूमेंटेशन, फॉर्मस और बैंक में लाइन लगने की असुविधा को ध्यान में रखते हुए डिजिटल बैंकिंग को बढ़ावा दे रहा है ताकि वे अपने ग्राहकों से सरल, सुरक्षित और सुविधाजनक व्यवहार कर सकें इसके लिए बैंक डिजिटल बैंकिंग को अपनाने को कहता है और यह भी आग्रह करता है कि किसी अनजान लिंक पर क्लिक न करें ,ना ही उसका रिप्लाई दे और ओटीपी किसी के साथ भी शेयर ना करें द्य

बिजली संकट को लेकर जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी का हल्ला बोल

बेमेतरा में धरना प्रदर्शन 23 को

बेमेतरा (समय दर्शन)। जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी प्रदेश कमेटी के आव्हान पर पूरे प्रदेश में एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में बेमेतरा जिला इकाई के तत्वावधान में दिनांक 23 सितंबर , मंगलवार को सुबह 10 बजे से कचहरी चौक, बेमेतरा में विशाल धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।

धरना का मुख्य मुद्दा प्रदेशभर में हो रही बिजली की अघोषित कटौती, मनमाना बिल और लो वोल्टेज की समस्या है, जिससे आम जनता, किसान और व्यापारिक वर्ग लगातार परेशान हैं। इस धरना प्रदर्शन का नेतृत्व जोहार छत्तीसगढ़ पार्टी बेमेतरा जिलाध्यक्ष राजेन्द्र पटेल, नगर अध्यक्ष बेमेतरा सूर्या सिंह चौहान, नगर उपाध्यक्ष बेमेतरा खेमू साहू , बेरला खड़ अध्यक्ष धनंजय निषाद , बेरला खड़ उपाध्यक्ष भूषण प्रताप , नगर अध्यक्ष साजा सुनील वर्मा , नवागढ़ खड़ अध्यक्ष छन्नूराम साहू तथा जिला मीडिया प्रभारी नंदु निषाद । इस अवसर पर जिलेभर से पहुंचे सैकड़ों जोहार सेनानी अपनी आवाज बुलंद कर सरकार और विभाग का ध्यान आकर्षित करेंगे। पार्टी नेताओं ने कहा है कि यदि बिजली की समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया, तो आगे बड़े आंदोलन की रूपरेखा तैयार की जाएगी। आमजन से भी इस आंदोलन में शामिल होकर अपनी हिस्सेदारी निभाने की अपील की गई है।

गणेश उत्सव समितियों का विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने किया सम्मान

राजनांदगांव (समय दर्शन)। संस्कारधानी के नाम से पहचान बनाने वाला राजनांदगांव इस वर्ष भी भक्ति और आस्था के रंग में रंगा नजर आया। पूरे शहर में गणपति बप्पा की भव्य झांकियों और उत्सव की धूम रही। इन आयोजनों को सफल बनाने में जुटी गणेश उत्सव समितियों का मनोबल बढ़ाने के लिए विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल की ओर से नगर निगम टाउन हॉल में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शहर की 128 गणेश उत्सव समितियों को सम्मानित किया गया। विश्व हिंदू परिषद के प्रांत सह मंत्री नंदू राम साहू ने कहा कि गणेश मूर्तियों को पारंपरिक और

सनातन परंपराओं के अनुरूप तैयार किया जाना चाहिए। उन्होंने समितियों से आग्रह किया कि झांकियों और कार्यक्रमों में देशभक्ति और भक्ति गीतों को प्राथमिकता दें, ताकि युवा पीढ़ी में जागरूकता और राष्ट्रभक्ति का संचार हो।

प्रांत मंत्री विभूतिभूषण पांडे ने विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल की स्थापना, उद्देश्यों और राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका की जानकारी देते हुए समितियों से जुड़ने का आह्वान किया। इस अवसर पर प्रांत विधि प्रकोष्ठ प्रमुख अरुण गुप्ता, संगठन मंत्री कन्हैया कुंदन, विभाग मंत्री अनूप श्रीवास, विभाग सह मंत्री प्रशांत दुबे, विभाग सह संयोजक सुनील सेन, जिला अध्यक्ष ओमप्रकाश अग्निहोत्री, जिला मंत्री त्रिगुण सादानी, जिला कोषाध्यक्ष लव कुमार मिश्रा, जिला संयोजक राहुल बलदेव मिश्रा, जिला सह संयोजक अंशुल कसार, समरसता प्रमुख बाबाजी बौद्ध, नगर अध्यक्ष शिव वर्मा, नगर मंत्री अंकित खंडेलवाल, नगर संयोजक मोहित यादव, गौ रक्षा प्रमुख प्रिंस हाथीबेड, नगर सह संयोजक गौरव शर्मा सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे। इसके अलावा भोला सिन्हा, दीपक सिन्हा, राहुल ताम्रकार, सारंग ताम्रकार, जुगल शर्मा, आशीष गांधी, मातृशक्ति संयोजिका अंजली वाडेकर और सह संयोजिका बबीता मिश्रा की भी गरिमामयी उपस्थिति रही। कार्यक्रम के अंत में सभी समितियों को स्मृति चिन्ह और प्रशस्ति पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्धन किया गया। आयोजकों ने कहा कि यह सम्मान न केवल परंपराओं को आगे बढ़ाने वालों का है, बल्कि समाज को जोड़ने और संस्कृति को जीवंत रखने वालों का भी है।

सिंघनपुर में विकासखंड स्तरीय आयुष स्वास्थ्य शिविर सम्पन्न

बसना (समय दर्शन)। संचालनालय आयुष विभाग छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार तथा जिला आयुष अधिकारी डॉ. ज्योति गजभिये के मार्गदर्शन से छत्तीसगढ़ रजत जयंती के अवसर पर विकासखण्ड स्तरीय नि:शुल्क आयुष स्वास्थ्य मेला का आयोजन विकासखण्ड बसना के ग्राम पंचायत सिंघनपुर में दिनांक 20 सितम्बर 2025 को प्रात: 10 बजे से शाम 5 बजे तक किया गया ।

कार्यक्रम में सर्व प्रथम भगवान धन्वंतरी जी की पूजा अर्चना की गई।

इस बीच मंच पर ग्राम के उपसरपंच अनिल नाग ,अन्य विशिष्ट अतिथि टिकाराम कश्यप , हितेन्द्र कश्यप , रोहित नायक , हरिश्चंद्र कश्यप जी, डोलमणि कश्यप , गौरेन्द्र कश्यप ,सदानंद चौधरी, उमाशंकर नर्मदा शिविर में आये सभी लाभार्थी ग्रामीण जन्य का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कर औषधी पौधे का वितरण किया

गया। डॉक्टरों के द्वारा विशेष रूप से शिविर में आये सभी व्यक्तियों को आयुर्वेद को अपने जीवन में अपनाने व स्वस्थ जीवनशैली जीने के लिए प्रेरित किया गया।

इस शिविर में शिविर प्रभारी डॉ. रंजना पटेल आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी के द्वारा रोगप्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाला आयुष काढ़ा का वितरण कराया गया व डॉ मुक्ता बरिहा एवं डॉ शिवशंकर मांझी द्वारा प्रदर्शनी में लगी औषधी पौधा के फायदे के बारे में लोगों बताया गया और हर दिन हर घर में उपयोग ने आने वाली औषधी के बारे एवं शरद ऋतु में होने वाले पितज व्याधियों के बचाव के बारे में बताया गया। इस नि:शुल्क शिविर में 468 व्यक्ति को स्वाथ्य जाँच कर नि:शुल्क औषधि प्रदान की गई। इस दौरान आयुष काढ़ा पिलाया गया, 68 व्यक्ति का हैमोग्लोबिन (बी पी) 217 व्यक्ति का बी पी., व 124 व्यक्ति का सुगर जाँच एवं 24 किसानो को औषधि पौधा वितरित किया गया। इस शिविर में डॉ. मुक्ता बरिहा (आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी), डॉ. शिवशंकर मांझी (आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी) डॉ दुष्यंत प्रधान (आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी), डॉ. देवेन्द्र कुमार नायक(आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी), डॉ दीक्षा सिंह (आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी), डॉ प्रियंका आयुष चिकित्सक धर्म सिंह ठाकुर(फार्मासिस्ट), गणेश सिंह जगत (फार्मासिस्ट), पैकराजी (फार्मासिस्ट), चतुर्भुज स्वाइन (औषधालय सेवक), मनमोहन भास्कर(औषधालय सेवक), उजागर सिंह जगत, तक्ष कुमार(अंशकालीन स्वच्छक) श्रीमती राजकुमारी नाग, श्रीमती अघनमोती श्रीमती रामबती (अंशकालीन स्वच्छक) एवं सरपंच एवं उपसरपंच सिंघनपुर व ग्रामीण जनों विशेष योगदान रहा। युवाओं को सेल्फी जोन में स्लेफ़ी लेकर आयुर्वेद के अनुसार ऋतुचर्या दिनचर्या के पालन के लिए जागरूकता अभियान चलाया गया ।

'सेवा पखवाड़ा' में साइंस कॉलेज दुर्ग के छात्रों ने लिया स्वच्छता एवं साक्षरता का संकल्प

दुर्ग (समय दर्शन)। शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय दुर्ग के राष्ट्रीय सेवा योजना (ह्स्स्) इकाई के स्वयंसेवकों द्वारा 'सेवा पखवाड़ा 2025' के अंतर्गत महाविद्यालय परिसर में स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वच्छता केवल परिसर तक सीमित नहीं रहनी चाहिए, बल्कि प्रत्येक छात्र को अपने ग्राम एवं मोहल्लों में भी स्वच्छता का संदेश देना चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को महाविद्यालय को स्वच्छ रखने का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम के अंतर्गत अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर भी सभी स्वयंसेवकों को समाज में साक्षरता का प्रसार करने और सक्रिय भागीदारी निभाने हेतु प्राचार्य द्वारा शपथ दिलाई गई। स्वच्छता अभियान के दौरान महाविद्यालय परिसर स्थित विवेकानंद पार्क में छात्रों ने फैले हुए प्लास्टिक बोतल, रैपर, कचरे आदि को एकत्र कर कूड़ेदान में डाला और पार्क को स्वच्छ बनाया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. अजय कुमार सिंह सहित वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. अभिनेष सुराना, डॉ. अंबरीश त्रिपाठी, रासेयो कार्यक्रम समन्वयक जनेंद्र कुमार दीवान, कार्यक्रम अधिकारी तरुण कुमार साहू, सह कार्यक्रम अधिकारी सुदेश कुमार, प्रो. अनुराग मिश्रा एवं अतिथि व्याख्याता निखिल देशलहरा उपस्थित रहे। अभियान में दलनायक हरीश कुमार, उपदलनायक योगेश, स्वयंसेवक मिनेश, द्रविन, किशन, मो. आदिल सहित लगभग 50 स्वयंसेवकों ने सक्रिय भागीदारी निभाई।

बसना में 'समरसता ग्राम योजना' पर बैठक,विधायक, सांसद हुए शामिल

बसना (समय दर्शन)। राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के तत्वावधान में बसना में 'समरसता ग्राम योजना' को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक कृषि उपज मण्डी प्रांगण बसना मे आयोजित किया गया। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि प्रोफेसर संध्या भोई प्राचार्या शासकीय महाविद्यालय सरायपाली शामिल होकर समाज मे समरसता लाने समाज मे व्याप्त पुरातन बुराई,अशिक्षा और जाति पांति के प्रपंच एवं मिथक से उपर उठकर नव युग का संचार करने प्रेरित किया ।

इस दौरान राजमहंत पी एल कोसरिया ने कहा कि समाज में समरसता लाने सदगुरु कबीर साहेब एवं बाबा गुरुघासीदास जी के विचारों पर अमल करते हुए मनखे मनखे एक बरोबर के सिद्धांतों को चरितार्थ करने की बात कही। समरसता प्रमुख विश्वनाथ बोगी ने छत्तीसगढ़ के सीमावर्ती क्षेत्रों के साथ दूर दूरांचल ग्रामीण अंचलों में जाति पांति के प्रपंच मे पडकर समाज के बंटते प्रकोप पर अपने विचार साझा किया और अपील किया कि धर्म को शाश्वत बचाये रखने हम सभी हिन्दू समाज के सभी जाति पंथ

के लोगों को आपस मे छूआछूत जैसे कोड़ को तिलांजली देकर भारत को विश्व गुरु बनाने की दिशा में आगे बढ़ने है।

राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सह कार्यवाह रामदास चक्रधर ने हिन्दू समाज मे समरसता स्थापित करने अपने तेज अंश को जानने पर बल दिया।

उन्होंने कहा कि हिन्दू सोदरा सर्वे, न हिन्दू पति तो भवेत अर्थात सभी हिन्दू सहोदर है,एक ही मां के संतान है ,कोई भी छोटा बड़ा नहीं है।

विधायक डॉ. अग्रवाल ने मीडिया से चर्चा के दौरान बताया कि यह कार्यक्रम राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के मार्गदर्शन में चल रहा है, जिसका उद्देश्य समाज में एकात्म भाव से जन जागरण करना है। उन्होंने युवाओं से इस पहल में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने का आह्वान करते हुए कहा कि युवा शक्ति ही समाज में बदलाव ला सकती है। सभी युवा इस समरसता के संदेशवाहक बनें और इसे अपने-अपने गांवों और परिवारों तक पहुंचाएं। तभी हम एक ऐसा समाज बना पाएंगे, कोई भी जाति पांति के नाम से छोटा बड़ा नहीं होगा और सब मिलकर राष्ट्र निर्माण में योगदान देंगे।

बैठक में बसना ब्लॉक के अलग-अलग गांवों में इस योजना को लागू करने की रणनीति पर भी विचार-विमर्श किया गया।

इस बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ संध्या भोई, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के सहसर कार्यवाह रामदत्त चक्रधर,महासमुंद लोकसभा सांसद व प्रदेश उपाध्यक्ष रूपकुमारीओमप्रकाश चौधरी,सामाजिक समरसता गतिविधि प्रमुख विश्वनाथ बोगी,विभाग संघचालक यज्ञराम सिदार ,खंड संघचालक सत्यप्रकाश श्रीवास्तव ,विभिन्न समाजों के समाज प्रमुख, संघ परिवार के पदाधिकारी सहित स्वयं सेवक उपस्थित रहे ।

परिक्षेत्रीय साहू समाज खाती में पदाधिकारियों का निर्विरोध निर्वाचन सम्पन्न

बेमेतरा (समय दर्शन)। 20 सितम्बर शनिवार को परिक्षेत्रीय साहू समाज खाती में पदाधिकारियों का निर्विरोध निर्वाचन सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर सर्वसम्मति से गिरधर साहू दूसरी बार अध्यक्ष निर्वाचित हुए। साथ ही कार्यकारिणी का गठन किया गया, जिसमे कार्यकारिणी अध्यक्ष ईश्वर साहू,संरक्षक रामलाल साहू, उपाध्यक्ष जलेश्वर साहू, महिला उपाध्यक्ष शांति बाई साहू,सचिव टहल साहू, संगठन सचिव हेमलाल साहू, सहसचिव भरत साहू, कोषाध्यक्ष खेमू राम साहू महिला संगठन सचिव डीलेश्वरी साहू,संयोजक दानेश्वर साहू, युवा प्रकोष्ठ संयोजक संतराम साहू,सह संयोजक युवा प्रकोष्ठ नागेश्वर साहू,प्रचार सचिव चितरेन साहू,सलाहकार नारायण साहू,न्याय प्रकोष्ठ अजित साहू, धरम साहू, मानसिंग साहू, दुवारिका साहू, मीडिया प्रभारी विनोद कुमार साहू समाज सेवक मोहन साहू बनाए गए।निर्वाचन प्रक्रिया में तहसील साहू संघ थान खम्हरिया के तहसील अध्यक्ष बसंत साहू, कार्यकारी अध्यक्ष दुखित राम साहू, परिक्षेत्रीय अध्यक्ष कारेसरा युवराज साहू, परिक्षेत्रीय अध्यक्ष थान खम्हरिया केदार साहू सहित परिक्षेत्र खाती के ग्रामीण अध्यक्षगण रुपसिंग साहू, सीताराम साहू, मोहन साहू, राजकुमार साहू, पीलूराम साहू, जगाधर साहू, अजित साहू, लक्ष्मी नाथ साहू, सुंदर लाल साहू, खेदूराम साहू एवं ग्रामीण साहू संघ के अनेक पदाधिकारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

सर्व समाज समन्वय महासभा छत्तीसगढ़ का राज्यस्तरीय सम्मेलन

राजमहन्त दशेराम खाण्डे एवं राजमहन्त पी एल कोसरिया हुए सम्मानित

रायपुर(समय दर्शन)। समरसता कायम करने छुआ छूत व जातिगत दुर्भावना से मुक्त छत्तीसगढ़ की संकल्पना को लेकर सर्वसमाज समन्वय महासभा की प्रदेश स्तरीय सम्मेलन19 सितम्बर को विमतारा सेमिनार हाल रायपुर में सम्पन्न हुआ । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रामदत्त जी, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सह सर कार्यवाह, विशिष्ट अतिथि,विश्व नाथ भोगी प्रान्त प्रमुख समरसता,राष्ट्रीय स्वयंसेवक, गुरु मां साध्वी रेणूका जी राष्ट्र शक्ति आश्रम न्यास गंगोत्री धाम, राष्ट्रीय मार्गदर्शक मण्डल विश्व हिन्दू परिषद ,रामज्ञानिदास महात्यागी दिगम्बर अखाड़ा, सदस्य विश्व हिंदू परिषद, विशेष अतिथि वरिष्ठ राजमहन्त दशेराम खांडे तपोभूमि गिरौदपुरी अगमधाम खड़वा,राजमहन्त पी एल कोसरिया तपोभूमि गिरौदपुरी अगमधाम खड़वा अखिल भारतीय सतनामी समाज, लताऋषि चन्द्राकर प्रांताध्यक्ष नारी महासभा, एस आर बंजारे कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष ,सर्व समाज समन्वय महासभा, डॉ संजीव करमाकर प्रदेश अध्यक्ष सर्व समाज समन्वय महासभा एवं विभिन्न जाति समाज के राष्ट्रीय अध्यक्ष व प्रान्त प्रमुख की गरिमामय उपस्थिति में सम्पन्न हुआ। सर्व समाज समन्वय महासभा द्वारा आयोजित महासभा में छत्तीसगढ़ के 50 से अधिक जाति के प्रमुख ,तेली समाज,कुर्मीसमाज,

कलारसमाज,रावत समाज,कुम्हार समाज,सतनामी समाज,हलवा समाज,गोड़ समाज,ब्राम्हण समाज,महार समाज, रविदास समाज, घासिया समाज,गाड़ा समाज, चन्द्रनाहू समाज,पटवा समाज,कायस्थ समाज, सौरा समाज,सोनी समाज,मेहर समाज,मोची समाज,मरार समाज,कवर समाज,धीवर समाज,धोबी समाज,सोनकर समाज,कोया समाज,विश्वकर्मा समाज,सिख समाज, अग्रवाल समाज, मानिकपुरी समाज, मनवा कुर्मी समाज,सेन समाज,सर्व आदिवासी समाज, लोधी समाज, देवांगन समाज,माली समाज, अखिल भारतीय गायत्री परिवार,कान्यकुब्ज ब्राम्हण समाज, हरदिया मरार, छत्तीसगढ़ ब्राम्हण समाज, प्रगतिशील छत्तीसगढ़ सतनामी समाज, आदिवासी समाज, आदि आदि जाति प्रमुखों ने सर्व सम्मति से अंतर्मन से हाथ अपने हृदय में रखकर संकल्प लिया कि आज से छत्तीसगढ़ को छुआ छूत मुक्त, जाति गत दुर्भावना मुक्त राज्य घोषित करते संकल्प पारित किया। अपने अपने गांव जाति समूह में जाकर काम करने निर्णय लिया गया। सर्व समाज समन्वय महासभा द्वारा सामाजिक सेवा पर अपने पूरा जीवन सामाजिक कुरीतियों को दूर करने विशेष कार्य करने के लिए वरिष्ठ राजमहंत दशेराम खांडे को छत्तीसगढ़ प्रांत उत्कृष्ट नागरिक सम्मान शाल भेंटकर सम्मानित किया । सामाजिक समरसता पर सर्व समाज में उत्कृष्ट कार्य करने सामाजिक कार्यों में विशेष योगदान देने के लिए राजमहंत पी एल कोसरिया को स्मृति चिन्ह देकर शाल भेंटकर सम्मानित किया गया। इसी तरह मुख्य अतिथि रामदत्त जी विशिष्ट अतिथि गुरु मा साध्वी रेणुका जी, विश्वनाथ भोगी जी को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत जागृति महिला पंथी पार्टी भिलाई की मनमोहक प्रस्तुति एवं समाप्ति राष्ट्र गान गाकर किया गया। कार्यक्रम के सफल संचालन प्रदेश अध्यक्ष सर्व समाज समन्वय महासभा डॉ संजीव कर्माकर वशिष्ठ द्वारा किया गया एवं श्रीमती लता ऋषि चंद्राकर प्रदेश अध्यक्ष नारी शक्ति महासभा द्वारा आभार प्रकट किया गया।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.) 491111 से मुद्रित कर बी-4, प्रेस काम्प्लेक्स, इंदिरा मार्केट, दुर्ग छ.ग. 491001 से प्रकाशित। संपादक :- रोहित खड़तकर,
समाचार संपादक : दामोदर राव, फोन नं.-0788-4051213, मो. 9827104452, रायपुर कार्यालय:-0771-4218364, ईमेल - samay.darshan191@gmail.com पं. क्र. CHHHIN/2011/41517 डाक पंजीयन क्रमांक छ.ग./दुर्ग/61/2024-26